

भारत का राजस्मान

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 8, 1979 (भाद्रपद 17, 1901)
No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 8, 1979 (BHADRA 17, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असम संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—पार्ट 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और भारतेशापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारतीय राजकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएँ।

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जुलाई 1979

सं. ए० 19014/1/78-प्रशा० 1:-—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी तथा अवर सचिव कुमारी ज्योति पाण्डे ने 28 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से इस कार्यालय में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

कुमारी ज्योति पाण्डे की सेवाएँ ग्राम विकास विभाग, नई दिल्ली को सौंपी जाती हैं।

ए० सं. बालचन्द्रन,
अवर सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

कामिनी एवं प्रशासनिक मुद्रार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण व्यारो

नई दिल्ली दिनांक 13 अगस्त 1979

सं. ए० 35018/13/79-प्रशा० 1:-—पुलिस उप-महानियोक्षक, विषेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा,
1-226GI/79

पुलिस के उप-नियोक्षक थी वी० सी० बनर्जी को दिनांक 13-7-79 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण व्यारो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की जप्पुर शाखा में प्रतिनियुक्त पर अस्थाई रूप से पुलिस नियोक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण व्यारो

महानियोक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 अगस्त 1979

सं. ओ० दो० 1103/73—स्थापना:—श्री अमर भिंह ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस अधीक्षक, 48 वी० वाहिनी, कें० रि० पु० बल के पद वा कार्यभार 31-7-79 (अपराह्न) को त्याग दिया।

सं. ओ० दो० 1437/79-स्थापना—महानियोक्षक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) ऊराजी नारजी को 20-7-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये श्रव्या उस पद पर नियुक्त होने तक, इसमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में

कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 16 अगस्त 1979

सं० श्रो० दो० 1045/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल ने डा० वी० दलीप मूर्ती को 7 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 जुलाई 1979

सं० ई०-16013(2)/4/75-कार्मिक—राज्य काडर को प्रत्यावर्तित होने पर श्री आर० चोंगथू भा० पु० से० (आगाम-1962) ने 25 जून, 1979 के अपराह्न से महायक महानिरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) कलकत्ता के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16016/20/76-कार्मिक—राज्य मंत्री में प्रत्यावर्तित होने पर डा० (श्रीमती) वी० जोया ने दिनांक 2 जुलाई, 1979 के अपराह्न से के० श्रो० सु० ब० प्रशिक्षण कालेज, हैदरगाबाद के महायक सर्जन प्रेइ-1 के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-16013(1)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री ए० घटक, आई० फी० एस० (प० बंगाल-59) ने दिनांक 9 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक, (पूर्वी क्षेत्र), के० श्रो० सु० ब०, कलकत्ता, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16013(1)/1/79-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री वी० प० कपूर, आई० फी० एस० (उ० प्र० 61), जबकि वे नई दिल्ली में कैम्प पर थे, ने दिनांक 6 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से उप महानिरीक्षक के० श्रो० सु० ब०, दुर्गपुर इस्पात संयंत्र, दुर्गपुर के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

मु० नाथ,
महानिरीक्षक/के० श्रो० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० 10/23/78-प्रशा०-1—(राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन) के पद का कार्यरत श्री

के० बी० कोपद, को उसी कार्यालय में तारीख 4 अगस्त 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, सीधी भर्ती द्वारा, अस्थाई क्षमता में नियमित आधार पर अनुसन्धान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री कोपद का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पी० पश्चमनाभ,
भारत के महापंजीकार

कागज प्रभिति कारखाना

हौशंगाबाद, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० पी० ढी० /27/5944—इस कार्यालय की प्रधि-सूचना क्र० पी० डी०/27/7706 दिनांक 4/12/78 के क्रम में श्री आर० जी० कुलथे को 27/5/79 से 6 माह की प्रवधि अथवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो के लिये सहायक कार्य प्रबन्धक (मोर्ल बर्वर मैक्रिंग प्लांट) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

श्रो० प्र० शर्मा,
परियोजना अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा सेखा विभाग

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 अगस्त 1979

सं० प्रशा० 1/का० आ० 225/5-5/पदोन्नति/79-80/965—निदेशक लेखा परीक्षा, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग [अधिकारियों को अगले आदेश होने तक दिनांक 30 जुलाई, 1979 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में लेखा परीक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्रम मं० नाम

सर्वश्री

1. आर० एन० शर्मा
2. रणजीत सिंह जोशी
3. एस० एल० गुप्ता
4. एस० के० राय
5. एस० पी० खन्ना

समर राय,
उप-निदेशक, ल० प० (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 8 अगस्त 1979

सं० एडमिन-आई० ए० डी० 1-29(गोपन)-1784:—इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों

को लेखा अधिकारी के वास्तविक संवर्ग में दिनांक 1-4-78
से महालेखाकार, बारा नियुक्ति दी जाती है।

1. श्री एम० एम० राजू
2. श्री आर० आर० दासगुप्ता
3. श्री बी० राजगोपाल
4. श्री एच० एस० मृति

के० पी० वेंकटेश्वरन,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवायें,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० 2497/ए० प्रशासन/130/79:—निदेशक लेखा परीक्षा सेवायें निम्नलिखित अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थाई सदस्यों को उनके सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्थ रूप में, आगामी आदेश तक, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय जहां नियुक्ति की गई	नियुक्ति की तिथि
----------	-----	---------------------------------	---------------------

सर्वश्री			
1. एस० रंगन	संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा सेवायें दक्षिणी कमान पूर्णे।	26-7-79	
2. एम० नटराजन	उप निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवायें, आयुध फैक्टरी, कलकत्ता	30-7-79	

ए० पी० सिन्हा,
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा
रक्षा सेवायें,

रक्षा लेखा विभाग,

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 8 अगस्त 1979

सं० 4741/प्रशा० I:—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर 1 के एक अधिकारी श्री बी० एम० प्रभु को, रक्षा लेखा महानियंत्रक के पद पर स्थानापन्थ के रूप में कार्य करने के लिये दिनांक 2 अगस्त, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यान्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आर० एल० बद्धी,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आईनेस फैक्टरी बोर्ड

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय मिलिल सर्विस योजना
कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1979

सं० 13/79/ए०/ई०-1 (एन० जी०) :—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, श्री अष्टर चन्द्र मण्डल, स्थानापन्थ सहायक स्टाफ अफसर (युप 'बी' राजपत्रित) के बर्तमान रिक्त पद पर, दिनांक 2-7-79 से आगामी आदेश न होने तक, ब्रिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोश्नत करते हैं।

सं० 14/79/ए०/ई०-1 (एन० जी०) :—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, निम्नलिखित व्यक्तियों को तदर्थे आधार पर प्रत्येक के सामने दर्शायि गये पदों पर और तारीखों से प्रति स्थानापन्थ रूप में प्रोन्नत करते हैं :—

(1) श्री नित्यानन्द स्थानापन्थ सहायक दिनांक 2-7-79 से तीन चक्रवर्ती, स्थाई सहा-स्टाफ अफसर (युप महीने या जब तक यक बी० राजपत्रित) यू० पी० एस० सी० उम्मीदवार नियुक्त नहीं किये जाते हैं, इनमें से जो पहले हो।

(2) श्रीमती लीला वही
दास, स्थाई सहायक वही

डी० पी० चक्रवर्ती,

ए० डी० जी० प्रशासन
कूटे महानिदेशक, आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 अगस्त 1979

सं० 38/79/जी० :—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एम० सहाय, स्थानापन्थ ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-I मौलिक एवं स्थाई सीनियर डी० ए० डी० जी ओ० एफ० दिनांक 30 जून, 1979 (अपराह्न) से मेशा निवृत्त हुए।

बी० के० मंहता,
सहायक महानिदेशक,
आईनेस फैक्टरिया
महानिदेशालय आईनेस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनांक 14 अगस्त 1979

सं० 39/79/जी० :—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री शिव प्रसाद स्थानापन्थ जी० एम० (एस० जी०) ल०१ मौलिक एवं स्थाई जी० एम० ग्रेड I दिनांक 31-7-79 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मंहता,
सहायक महानिदेशक,

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई, 400022, दिनांक 4 अगस्त 1979

सं० 15/9/79-स्थापना:—महानिदेशक ने श्री रोहित धीरज कुमार हलाबाई को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में, निरीक्षक (कलाकार और खाता विशेषज्ञ) के पद पर दिनांक 12 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अग्रणे आदेश तक अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

ए० के० चक्रवर्ती,
महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 17 अगस्त 1979

आयात निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1308/79-प्रशासन १ (राज०)/6159:—राज्य-पति, श्री एस० के० तिवारी, भारतीय प्रशासनिक सेवा, (ए० एम०, 1973) को अगला आदेश जारी होने तक 7 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० वेंटरामन
मुख्य नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1979

सं० ए० 17011/69/71-प्र० 6:—सरकारी सेवा से त्याग पत्र स्वीकार हो जाने पर इस कार्यालय के अधीन निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री धर्म प्रकाश ने दिनांक 24-7-79 के अपराह्न से निरीक्षण अधिकारी (इंजी०), (भारतीय निरीक्षण सेवा श्रृंग ए० द्विजीनियरी शास्त्री ग्रेड III) का पदभार छोड़ दिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० ए० 19012(99)/77-स्था० ए०:—श्री श्यामजी मिह स्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 2-7-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक रसायन विद के पद पर पदोन्नति की जाती है।

सं० ए० 19012(112)/79-स्था० ए०:—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश से श्री के० वाय० कपाले, अस्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 25-5-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (सांचियकी) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012(112)/79-स्था० ए०:—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश से श्री के० वाय० कपाले, अस्थाई वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 14-6-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 19012(116)/79-स्था० ए०:—श्री एच० व्ही० सत्यन, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ब्य०) को दिनांक 11-6-79 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से श्रृंग 'ब' में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एस० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 17 अगस्त 1979

सं० ए० 19012(1-वी० आर०)/78-19 ए०:—श्री विक्रम राय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० के प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, 5 जून, 1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णास्वामी
महा निदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० सी० 5538/817-ए०—श्री राम लाल, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को श्री एन० आर० बोस, स्थापना एवं लेखाधिकारी, जिनका स्थानान्तरण निदेशक, मध्य संकिल, जबलपुर हो गया है, के स्थान पर 25 जून, 1979 (पूर्वाह्न) से पूर्वी संकिल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग कलकत्ता में स्थापना एवं लेखाधिकारी (सा० सि० सेवा युप 'बी') के पद पर 840-40-1000-इ० रो०-40-1200 रु० के बेतन मान में 840/- रु० प्रतिमास पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

क० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० 5/4/62-सिबन्दी-1—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थाई छायाप्राहक श्री क्ली० पी० परमार को दिनांक 11 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक न्यूजीलं अधिकारी के पद पर अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
सहायक प्रशासनिक अधिकारी
हृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1979

सं० ए० 19019/48/77-क० स० स्वा० यो०-१—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से दिल्ली को बदली हो जाने के फलस्वरूप होम्योपैथी चिकित्सक डा० (श्रीमती) उमा गुप्ता ने 17 जनवरी, 1979 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना मेरठ के अधीन होम्योपैथी चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है और 18 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन होम्योपैथी चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एन० एन० घोष
उप निदेशक, प्रशासन (क० स० स्वा० यो०)

नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1979

सं० 6-28/डी० सी०—राष्ट्रपति ने डा० एस० सी० शर्मा की 7 जनवरी, 1977 से केन्द्रीय औषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में जीवरसायनज्ञ के पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० ए० 12025/16/78-प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के डा० पी० एम० सोलंकी को 21 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न में श्रागामी आदेशों तक राजकुमारी श्रमृतकौर उपचर्या कालेज, नई दिल्ली में क्लोनिका मनोविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 अगस्त 1979

मं० ए० 19011/1/79-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने श्री एम० वी० रमनको 3 जुलाई 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा मामगी भण्डार डीपू हैदराबाद में डीपू प्रबन्धक के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 अगस्त 1979

मं० 12026/12/79 (एन० एम० इ० पी०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री वी० एन० भटनागर, महायक निदेशक (कीट विज्ञान) राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली को 12 जून, 1979 पूर्वाह्न से श्रागामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में केन्द्रीय समन्वय अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में केन्द्रीय समन्वय अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप श्री वी० एन० भटनागर ने 11 जून, 1979 अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली से सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक (प्रशासन)

कृषि और सिंचाई मन्त्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 18 अगस्त 1979

सं० ए० 19023/8/79-प्र० III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री वी० के० वर्मा, सहायक विपणन अधिकारी को इस निदेशालय में नागपुर में तारीख 12-7-79 पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी के रूप में पदोन्नति के उपरान्त श्री वर्मा ने तारीख 9-7-79 के अपराह्न में वाराणसी में सहायक विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 20 अगस्त 1979

सं० ए० 19023/7/79-प्र० III—खाद्य विभाग के अधीन भारतीय ग्रनाज संग्रह संस्थान, हैदराबाद में सहायक निदेशक (एस० आर०) के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री एच० सी०

सिरका, विषयन अधिकारी, मद्रास ने तारीख 31-7-79 के अपराह्न में इस निदेशालय में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एस० मनिहार
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

महानिदेशक, नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 10 अगस्त 1979

सं० ए० 32013/6/76-ईएस—इस विभाग की दिनांक 8-3-1979 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/76-ईएस के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान निरीक्षक के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-12-1979 तक या ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है :

1. श्री अनुपम बागची
2. श्री एस० मजूमदार
3. श्री एच० एम० फूल
4. श्री एल० ए० महालिंगम
5. श्री डी० पी० घोष
6. श्री एल० एम० माथुर
7. श्री आर० एन० शास्त्री

सं० ए० 38012/2/79-ईएस—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री बी० आर० शर्मा, उपनिदेशक वैमानिक निरीक्षण नागर विमानन विभाग ने दिनांक 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर,
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० ए० 32013/17/78-ईए—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिए या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इस में से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	स्थेशन	तारीख
1.	श्री कविराज सिंह	एएसओ (एटीसी)	28-4-79
		मुख्यालय	अपराह्न
2.	श्री जे० एस० आर० के० शर्मा	मद्रास	6-4-79
3.	श्री अंमीर अन्द	खालियर	6-4-79
4.	श्री एच० डी० लाल	भोपाल	14-5-79

1	2	3	4
5.	श्री जी० बी० बंसल	राजकोट	30-6-79
6.	श्री सी० एन० एस० मूर्ती	मद्रास	6-4-79
7.	श्री ए० एन० माथुर	कुम्भीरग्राम	30-4-79
8.	श्री पी० के० खन्ना	दम दम	2-5-79
9.	श्री डी० एन० मूर्ती	मद्रास	4-4-79
10.	श्री पी० बी० देशवानी	एओ (पी) मुख्यालय	15-5-79
11.	श्री के० पी० एस० नैयर	मद्रास	6-4-79
12.	श्री ए० के० जा	नार्थ लखमीपुर	15-7-79
13.	श्री एस० जे० मिह	पालम	2-4-79 अपराह्न
14.	श्री एस० के० बोरा	सान्ताक्रूज	5-4-79
15.	श्री विनोद कुमार यादव	सान्ताक्रूज	2-5-79
16.	श्री दलजीत सिंह	पालम	11-7-79
17.	श्री डी० डी० धूठो	श्रीनगर	10-7-79 अपराह्न
18.	श्री के० के० महरोत्तम	दम दम	2-5-79

दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० ए० 38013/1/79-ईए—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित अधिकारी दिनांक 31 जुलाई, 1979 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं :—

1. श्री पी० सी० वर्गसि वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी, बोगमपट
2. श्री सी० बी० जोसफ सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, मद्रास

सं० ए० 32014/2/79-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को दिनांक 28 जुलाई, 1979 (पूर्वाह्न) से और प्रत्येक के सामने दी गई तारीख तक अधिकारी पदों के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम पर तैनात किया जाता है :—

1. श्री ए० सी० सरकार 31-3-80
(अपराह्न)
2. श्री एस० डी० सिन्हा 31-1-80
(अपराह्न)
3. श्री एस० आर० दास शर्मा 31-3-80
(अपराह्न)
- बी० बी० जौहरी,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० ए० 38012/1/79-ईमी—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर मरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो मामधी भड़ार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री आर० आर० शर्मा, सहायक तकनीकी अधिकारी ने दिनांक 30-6-79 (अपराह्न) बो अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

गिरधर गोपाल,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 20 अगस्त 1979

सं० 1/78/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थानापन्थ अधीक्षक, श्री वी० मा० वानखेड़कर को 2 जुलाई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में स्थानापन्थ रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/225/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के स्थानापन्थ तकनीकी सहायक, श्री ए० बालसुब्रमनियम को 12 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक आवर्ती शाखा में स्थानापन्थ रूप से सहायक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० ए८० मल्होत्रा,
उप निदेशक (प्रणा०)
कृते महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और आनन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्थर, दिनांक 1 अगस्त 1979

सं० जी/11/स्टेट/79/3945—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आनन्द हाई स्पीड स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रभाति प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० एस० ओ० 451-2077 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रभाति प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ओडिया रिटेल डिलरेस एसोसिएशन लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० एस० ओ० 508/2075 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओडिया रिटेल डिलरेस एसोसिएशन लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मोमरम सोमन्स एन्ड फाइनान्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० एस० ओ०/729/2081 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मोमरम सोमन्स एन्ड फाइनान्स कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पानपोम फाइनान्स प्लॉचिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० एस० ओ०/590/2079 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पानपोम फाइनान्स प्लॉचिट फन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उडीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं हूसेनि मिल्क एण्ड आर्ट सिल्क पावरलूम श्रोनस एसोसिएशन के विषय में।

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई 1979

सं० 9832/560 (3)—हमनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हूसेनि मिल्क एण्ड आर्ट सिल्क पावर लूम श्रोनस एसोसिएशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा। और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्टर,
महाराष्ट्र

मैसर्स फरीदाबाद गलास वक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 (2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अगस्त 1979

सं० क० लिक्व० 2469/17891—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 10-10-1978 के आदेश से मैसर्स फरीदाबाद गलास वक्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, प्रादेशित हुआ है।

सी० आर० मेहता,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स देहली मैडीसन सिडीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1979

सं० 603/13526—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (2) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स देहली मैडीसन सिडीकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

श्रम मंत्रालय
(श्रम व्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—जुलाई, 1979 में श्रोद्योगिन श्रमिकों का विविध भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आवार वर्ष 1960=100) जून, 1979 के स्तर से आठ अंक बढ़ कर 353 (तीन सौ तरेपन) रहा है। जुलाई 1979 माह का भूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 429 (चार सौ उन्नतीस) आता है।

आर० एन० मुख्यमंत्री
महायक निदेशक
श्रम व्यूरो

वित्त मन्त्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

आयकर विभाग

बम्बई, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० आर० 18/78-79—जबकि केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि जिन निर्धारितियों पर निम्नलिखित कारणों के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की अवधि के दौरान लगाई गई शास्ति (पैनलटी) 5000/- रु० से कम न थी, उनके नाम व अन्य संबंधित व्यक्ति प्रकाशित करना जनहित में जल्दी और समयोचित है :—

- (क) आय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशी कर का ऐसा अनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि यह असत्य है,
- (ख) आय विवरणी दाखिल न करने या देरी से दाखिल करने अथवा लेखाबहियां प्रस्तुत न करने के लिए,
- (ग) कर न चकाने के लिए,

और इसलिए आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि पूर्वोक्त निर्धारितियों के नाम और अन्य व्यक्ति प्रकाशित किए जायें, तदनुसार उन्हें एतद्वारा यहां संलग्न अनुसूची I, II और III में प्रकाशित किया जाता है, जिसके साथ (I) हैसियत 'व्य' व्यक्ति के लिए, 'क'—कम्पनी के लिए, 'फ'—रजिस्ट्रीकृत फर्म के लिए, 'व्य० सं०'—व्यवितियों के संगठन के लिए, (2) निर्धारण वर्ष और (3) लगाई गई शास्ति की रकम भी दिखाई गई है।

अनुसूची I—ऐसे निर्धारिती जिन पर आय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशी कर का ऐसा अनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि वह असत्य है, 1-4-1977 से 31-3-78 की अवधि के दौरान लगाई गई शास्ति (पैनलटी) 5000/- रु०

से कम न थी और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर आयकर अपीलीय अधिकरण में अपील आयकर आयुक्त के यहां पुनरीक्षण याचिका/समझौता आयोग के यहां अर्जी दायर नहीं की गई, या अपील/पुनरीक्षण याचिका/अर्जी दायर की गई और मामले को अन्तिम रूप दिया जा चुका है।

1. मैसर्स परिजात फ़िल्म, 5 : फातिमा मंजिल, टी० पी० एस-III, 26वां रास्ता, बान्द्रा, बम्बई।
 - (i) अरनि फ० (ii) 1971-72, () र० 6,490/-
 - (ii) 1972-73, (iii) र० 6,785, (ii) 1973-74
 - (iii) र० 6,785।

अनुसूची-II—ऐसे निर्धारिती, जिन पर आय विवरणी दाखिल न करने या देरी से दाखिल करने अथवा लेखाबहियां प्रस्तुत न करने के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की अवधि के दौरान लगाई गई शास्ति 5000/- र० से कम न थी और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर आयकर अपीलीय अधिकरण में अपील, आयकर आयुक्त के यहां पुनरीक्षण याचिका/समझौता आयोग के यहां अर्जी दायर नहीं की गई या अपील/पुनरीक्षण याचिका/अर्जी दायर की गई और मामले को अन्तिम रूप दिया जा चका है।

1. मैसर्स परिजात फ़िल्म, 5 फातिमा मंजिल, टी० पी० एस-III, 26वां रास्ता, बान्द्रा, बम्बई। (i) अरनि फ०, (ii) 1971-72, (iii) र० 43,265, (ii) 1972-73, (iii) र० 45,232 (ii) 1973-74, (iii) 45,232।

अनुसूची-III—ऐसे निर्धारिती जिन पर कर न चुकाने के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की अवधि के दौरान लगाई गई शास्ति 5000/- र० से कम न थी और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर आयकर अपीलीय अधिकरण में अपील, आयकर आयुक्त के यहां पुनरीक्षण याचिका/समझौता आयोग के यहां अर्जी दायर नहीं की गई या अपील/पुनरीक्षण याचिका/अर्जी दायर की गई और मामले को अन्तिम रूप दिया जा चका है।

1. श्री रमानी जे० बी० कैलाश मैन्सन, तिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई। (i) 'ब्य', (ii) 1972-73, (iii) र० 9,907।

एस० एस० कपूर
आयकर आयुक्त
केन्द्रीय-I, बम्बई।

प्रसूत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
मार्ग मरकार
कार्यालय, महाप्रकार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-III, दिल्ली-1
4/14क, आमफलानी मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एस्य०- /8-79/377--
अतः मुझे, डी० पी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस० 37 ए है तथा जो ग्रीन पार्क मार्किट
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से बुई किमी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(प) ऐसी किसी आय या हिसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा-
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों परापूर्वक:—

1. श्री वरयमसिंह पुन्न सं० बागा मिहू व श्रीमती कुलवंत कौर
पत्नी सं० बागासिंह निवासी के-12, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री अनिलकुमार व सुनील कुमार पुन्नगण श्री बाबूलाल
जैन निवासी 18 कूचा चौधरी चाँदनी चौक, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्य द्वारा प्रधोहस्ताशरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सभ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो प्लाट नं० 37 ए ब्लाक नं० एस० पर बना
है, ग्रीन पार्क कालोनी, महरौली रोड, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार स्थित है।

उत्तर—एस० 37
दक्षिण—एस०-38
पूर्व—लांन
पश्चिम—मविस लेन

डी० पी० गोयल
मकान प्राधिकारी

महाप्रकार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 20-8-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफ़ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/8-79/376—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की भारा
269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी संख्या 15 ए०/33 है तथा जो नाई बाला, करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 6-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान इतिफ़ल के लिए प्रत्यक्षित को गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफ़ल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफ़ल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक
है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और बास्तविक
(प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल
मिहनतिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिहनतिक्षित में बास्तविक कप
से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की भारत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रकार के आमिल ये
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
ओर/मा

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
का, जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रभा। अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसूचण में,
उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपलब्धा (1) के
अधीन, मिहनतिक्षित व्यक्तियों, अर्जन :—

1. श्री ओम प्रकाश वर्मा तथा एस० पी० सिंह, मुपुत्र
श्री हर नारायण, 15 ए०/35, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कुमारी आनंद पत्नी श्री प्रेम नाथ आनंद
जोकि अपने नाबालिंग पुत्र राकेश कुमार के सारकक है, 6090,
गली नं० 1 ब्लाक नं० 2 पदम सिंह रोड, देव नगर, करोल
बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को इन नियमों द्वारा नियमित अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है :

उक्त नियमों के प्रति के प्रभाव में लाइ श्री आकेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरधो व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

टेलीफोनः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के प्रधाया 20-क में परिभाषित हैं, वही भव
दोगा जो उस प्रधाया में दिया गया है।

अनुसूची

2329/6075 तथा 830/6075 जो कि जायदाद नं०
XVI/10459 वें का हिस्सा है, कुल क्षेत्रफल 267 वर्ग गज
है, खेत नं० 1, खतीनी नं० 1172, नाईवाला जमाबदी
1974-75, डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली में
2½ मंजिला बिल्डिंग के साथ निम्नप्रकार से स्थित है:

पूर्व—प्लाट नं० 15 ए०/34 तथा जायदाद नं० 10460
परिचम—प्लाट नं० 15 ए० /32 तथा जायदाद नं०

10458

उत्तर—स्ट्रीट

वक्षिण—स्ट्रीट

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 20-8-1979

मोहरः

प्रसूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III,
4/14क, आसफाबंदी मार्ग, नई दिल्ली, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी./एक्य०/ 8-79/375—
अतः मझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी संख्या 15 ए०/३३ है तथा जो नाइवाला, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-12-1978 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरकों) और प्रस्तुतियों (अस्तरेतियों) के बीच ऐसे प्रस्तुतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुतण मिलिंग में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के दायित्व में कभी करने या उनमें जनने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रध्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वा के प्रस्तुतण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपचाचा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री ज्ञान चन्द तथा बेद प्रकाश सुपुत्र श्री हर नारायण 15ए०/ 35, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती स्वर्ण कुमारी आनन्द, पत्नी श्री प्रेम नाथ आनन्द, जोकि राकेश कुमार के सारकक भी है, 6090, ल्लाक नं० 2, गली नं० 1 पदम सिंह रोड, देव नगर, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही करता हूँ।

उक्त मंत्रति के प्रत्येक संवेदन में कोई भी प्राक्षेत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षणं अधिकतयों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ अधिकत द्वारा प्रधानहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्कीकरण:— समेत प्रथम शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-वा में परिभासित है, वही पर्व होगा जो उप प्रध्याय के दिया नहा है।

अनुसूची

1458/6075 तथा 1458/6075 जोकि जायदाद नं० XVI/10459 में है, इसका कुल बेताफल 267 वर्ग गज है, खेट नं० 1, खतीनी नं० 1172 है, नाइवाला जमाबादी 1974-75, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली में 2 1/2 मंजिला ब्लिंडिंग के साथ निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—प्लाट नं० 15 ए०/३४ तथा जायदाद नं० 10460 पश्चिम—प्लाट नं० 15ए०/३२ तथा जायदाद नं० 10458
उत्तर—स्ट्रीट
दक्षिण—स्ट्रीट

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली
तारीख 20-8-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज ,

4/14क, आसफाली मार्ग, नई दिल्ली, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश भं॰ प्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू॰ III/8-79/374--
प्रतः मुझे डी॰ पी॰ गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से
अधिक है

और जिसकी संख्या 18/8 है तथा जो डब्ल्यू०, ई० ए०
करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 26-12-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन, कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन मा प्रत्य वास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती उत्तम कौर, विध्वा पत्नी श्री नन्द सिंह,
18/8, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र मोहन गुप्ता, सुपुत्र गंगाधीन गुप्ता, 2397,
हरध्यान सिंह रोड़, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं॰ XVI/10002 है जोकि प्लाट नं॰ 8, ब्लाक
नं॰ 18 में है, और अंत्रफल 240 बर्ग गज है, खसरा नं॰
775/767 है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में
निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व—गली

पश्चिम : जायदाद प्लाट नं॰ 7 पर

उत्तर : रोड़

दक्षिण : गली

डी॰ पी॰ गोयल
सक्षम प्राविकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 18-8-1979

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , दिल्ली-1

4/14क, आसफजली मार्ग, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 प्रग्रहस्त 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एम्य०/III/8-79/373—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० ए०-38 है तथा जो जनता मार्किट,
राजौरी गाँड़न, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिनिधि के निए प्रांतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तिगों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसर
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पण:—

1. श्री चमन लाल सुपुत्र वं० नाथू राम निवासी एस०
38, जनता मार्किट, राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश, तथा हरीश चन्द्र दोनों सुपुत्र श्री
बहादुर चन्द्र, निवासी 9/13, सुभाष नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस० 38 जिस पर मकान और दुकान है,
इसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, जनता मार्किट, राजौरी
गाँड़न, तातारपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 18-8-1979
मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० /8-79/372--
अतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15/210 है तथा जो मालविया नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 13-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अविनाशी राम, सुपुत्र श्री राम चन्द, श्री
हरद्वारी लाल के द्वारा, 15/210, मालविया नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुशीना देवी, पत्नी श्री हरद्वारी नान गुप्ता,
15/210, मालविया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
मन्य होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० 15/210 है श्रीर थोकफल 72
वर्ग गज है, मालविया नगर, नई दिल्ली में है।

श्री० पी० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 18-8-1979

मोहर :

प्रह्लप प्राईटी० पृष्ठ० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/III एक्य० /8-79/371—
अतः मुझे डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिमका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में प्रधिक है,

और जिसकी संख्या 6/60 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (अवेर इससे उपाख्य
अनुसूची में पूर्ण में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-12-1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथ्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरग से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
स्वरण में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाता

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवात:— मोहर:

1. श्रीमती जानकी देवी, पत्नी स्वर्गीय (डा०)
दिवान चन्द्र त्रिमानी निवासी ए० 18 ब्रेटर कैलाश, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शान्ती देवी खान्डेवाल, पत्नी श्री जय
नारायण खान्डेवाल, 1720, गली प्लाऊ बाली, दिल्ली
कलां दिल्ली (अन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत के
लिए नायंवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रवात के संबंध में कोई भी प्रक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
शब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संख्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रयोग
में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 230 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर बनी हुई है, इसका नं० 60, ब्लाक नं० 6
है और मुन्यसिल नं० 10264, खसरा नं० 1791/1258
है, डब्ल्य० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार
से स्थित है:—

पूर्व: 24 फुट सड़क

पश्चिम: 10 फुट गली

उत्तर: प्लाट नं० 6/61

दक्षिण: पार्क तथा लेन।

डी० पी० गोयल,
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 18-8-1979

मोहर:

प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, विनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यु/III०/8-79/370—
अतः, मुझे, डी० पी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संख्या बी०-I/53 है तथा जो मालविया नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें सहायता या आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

1. श्री नारायण दास जर्यसिधानी, सुपुत्र हरबक्ष राय, निवासी 3, चन्द्रा निवास (बी) इन्डियन आयस पेट्रोल पम्प एनवैरी वे; मामने, कुरला रोड, बम्बई, इनके जरनल अटारनी श्री जी० डी० राजपाल के द्वारा बी० 1/53, मालविया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती फूल राजपाल पत्नी श्री जी० डी० राजपाल बी०-1/53, मालविया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जिसका नं० बी०-1/53 है और भेत्रफल 200 वर्ग गज है, मालविया नगर, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 18-8-1979

मोहर :

प्रतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग से प्रयुक्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रश्नप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 व(1) के अधीन मूल्यन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर मामुदः (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य०/ 8-79/369—
अतः, मुझे, डी० पी० गोपल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के अधीन मूल्यन प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्वाक्षर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

ओर जिसकी संख्या सी०-43 है तथा जो एन० डी० एस०
ई० पार्ट-II, नई दिल्ली, में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1979
को पर्यावरण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्राप्तकर्ता के लिए प्रमाणित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि प्रथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (प्रतरकों) और अन्तरिति (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वात्सविक कृप से
कहित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

बतः यद्युपरि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
वात्सवियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० के० घोष, 1/26, शान्ती निवेदन, नई
दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ए० पौ० पौ० पवासकर तथा श्रीमती प्रीति ए०
पवासकर, जी-7, एन० डी० एस० ई० पार्ट II, नई दिल्ली
(अन्तरित)

को यह मूल्यांक आयी करके पूर्वोक्त संरक्षित के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संरक्षित के अर्जन के संबंध में कोई भा. ग्राहणेप :—

(क) इस मूल्यांक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूल्यांक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोऽप्ताभरी के दाम निर्धारित
में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रथम गवर्नर पर्दों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वनी अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

मुमुक्षु

एक डेढ़ मंजिला बिंडिंग जोकि 529.72 वर्ग गज
के फी होटेल प्लाट पर बनी हुई है, इसका नं० सी० 43 है,
नई दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट II, कोटला मुबारकपुर
गांव, रिंग रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : रोड़,

पश्चिम : रोड़

उत्तर : प्लाट नं० सी०-42 तथा सी०-44

दक्षिण : रोड़

डी० पी० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकत, (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 18-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एस० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रापूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मई 1979

निर्देश सं० 12/ डिसम्बर/78—ग्रातः, मुक्ते, और आनन्दराम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 112 तुन्जमबूद्दी गांव है, जो तेनि में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरूप से हुई किसी घाय की वाचत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रोएथ्या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को प्रियंके भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बता: यद्य, उक्त अधिनियम को धारा 269वां के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एम० एम० पी० अमूल्यालमामी (2) ए० मर्गेन्द्रन (3) ए० राजारामन (4) ए० जनारदनन (5) एस० एम० पी० गुरुमामि और (6) जी० अरुल पोर्मैमा (अन्तरक)

2. एम० सान्तमल और जूनियर सुब्बा रेडी (9) तमिलसेलवन के० एस० जि�० जिननिंग फैक्टरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी जारीपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिवृद्धि किसी प्रथ व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्राषित है, वही पर्याय होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1107/78 जे० एस० आई० पेरियक्कुलम भूमि और फेक्टरी बिल्डिंग सर्वे नं० 112, तुन्जमबूद्दी गांव, तेनि

ओ० आनन्दराम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 20-5-1979

मोहर:

प्रस्तुप माइ० टी० एन० एस०—

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मई 1979

निर्देश सं० 67 दिसम्बर/78—यतः, मुझे, श्रो० श्रान्तदराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 9 है, तथा जो राजेन्द्र प्रसाद स्ट्रीट, नरिमेडु, मदुरै में स्थित है (और इससे उपात्रद्वारा अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्री कारी के कार्यालय, जो० एस० आर० I मदुरै (डाक नं० 4530/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिफल का फ़ाइह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त, प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहीत :—

1. श्री हिं० एम० जी० मवन्द्राजन (अन्तरक)

2. श्री के० वेलुमामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भव्यता में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 4530/78 जे० एस० आर० मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 9, राजेन्द्र प्रसाद II स्ट्रीट, नरिमेडु, मदुरै।

श्रो० श्रान्तदराम
सक्षम प्राधिकारी,
संहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 23-5-1979

मोहर :

प्रस्तुत घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज

दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 11/दिम्बवर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6-ए, 419 स्ट्रीट सी० एच० बी० कालोनी है, जो तिहाचन्गोड़ में स्थित है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० ओ० तिहाचन्गोड़ डाक नं० 1696/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में गुविष्ठा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, घर्यात्:—

(1) 1. अरदनारीस्वरत (2) रन्गनामकी (3)
मिदगामसुन्दरी (4) जप्पुगेस्नारन (5) जमलकक्षमी (6)
मनोन्मति (7) जमान प्रकासन (अन्तरक)

(2) श्री टी० सी० राजामनिमम्माक्त (अन्तरिती)

की पह भूचना जारी रहने पूर्वक भवानि न प्रवान के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में याँ भा आवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की लामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमो व्यक्ति द्वारा :

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोद्वासाधारी के तास लिखित में किये जा भरेंगे।

संपत्तीकरण :—इन्हें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

डाकुमेन्ट नं० 1696/78 एम० आर० ओ० निम्नलिखित मूलि और निर्मान डॉर नं० 6-ए 419 स्ट्रीट सी० एच० बी० कालोनी, तिहाचन्गोड़,

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेज

तारीख : 15-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

मद्रास, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 13/दिसम्बर/1979—यतः, मुझे, ओ०
आनंदाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विषवास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 30 पूराना नं० 10) I किरास, नार्त
मखनेरी एकसटनाशन सेलम-7, में स्थित है (और इससे उपावद्ध
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीगर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० II सेलम (डाक नं० 4736/
78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 1927)
के अधीन अन्तरिती द्वारा कट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब क्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्धातः:—

(1) 1 बी० आर० दुरैराजन 2 श्रीमती आर०
राजाम्बाल 3 श्रीमती सि० जयलक्ष्मी 4 श्रीमती
एस० सोरनाम्बाल (अन्तरक)

(2) एल राजकोफाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के मम्पन्ध में कोई भी आधिपत्र:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्द्रियः—इनमें रामूँ शंडों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 4736/78 जे० एस० आर० ओ०
सेलम 7, भूमि और निर्माण डोर नं० 3 (पूराना नं० 10)
किरास नार्त मखनेरी एकसटन्डान, सेलम 7।

ओ० आनंदाम
सक्षम प्राधीकारी
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I मद्रास

तारीख: 15-6-1979

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एम० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269घ(1) के अधीन सूचना
 भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 43 दिसम्बर 1978—यतः, मुझे, ओ० आनन्द्राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एन० एम० सी० 28/647 वडिवीटस्टरम गांव है, जो कोटार नागरकोमल में स्थित है (और इसे उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० ओ० I नागरकोमिल (4246/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती पांजरमै	(2) श्रीमती बगवती अम्मा
(3) श्रीमती पनतियान्डी चटीयार	(4) श्रीमती नागमाल
(5) श्रीमती डान्सुगम अम्माल	(6) कोलपण चेटीयार (अन्तरक)
(2) श्रीमती मोहम्मद फातिमा (अन्तरिती)	

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 4246/जे० एम० आर० ओ०-I, नागरकोमिल भूमि और निर्माण—झीर नं० एन० एम० सि० 28/647 वडिवीटस्टरम गांव, कोटार, नागरकोमिल।

ओ० आनन्द्राम
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
 मोहर :

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 38/दिसम्बर /78—यतः, मुझे, ओ०
श्रान्तद्वाम,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० डॉर नं० 7 (पुराना नं० 17) राजरतनम
स्ट्रीट है, जो कीलफाक मद्रास 10 में स्थित है (और इससे
उपावद सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्फर्नी
अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 मद्रास (4950/
78) में भारतीय रजिस्ट्रीररण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 की
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1). श्रीमती अहलका राधाकृष्णन पावर एजन्ट एम०
एन० साम्बूर्ति। (अन्तरक)
- (2). श्री (1) ई० वेंकटेस्वरलू (2) ई० राजसेकर
- (3). ई पि० पोल्लरया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 4950/78 जे० एस० आर० ओ०
मद्रास वेक्न्ट लैन्ड नया डॉर नं० 7 (पुराना नं० 17)
राजरतनम स्ट्रीट, कीलफाक, मद्रास 10।

ओ० अनन्दाम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 12-7-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जुलाई 1979

निर्देश सं० 19/मितम्बर 1978—यतः, मुझे ओ०
आनंदाम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 16, गान्धी इरविन रोड, है, जो एगमोर
मद्रास-8 में स्थित है (ओर इससे उपबढ़ ; और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पेरिमेट (1357/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री डिनेश मल्लम (2) एरिश मल्लम
(3) वि० मे० मल्लम (अन्तरक)
(2) श्री पि० कुम्हमद, काथी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब वै में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यदृष्टिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचारित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1357/78 एम० आर० ओ०
पेरिमेन्ट भूमि और निर्मान डोर नं० 16, गान्धी इरविन
रोड एगमोर, मद्रास-8

ओ० आनंदाम
सक्षम प्राविकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 12-7-1979

मोहरः

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के प्रतीत मूच्छना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1979

निर्देश सं० 77/दिसम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 15, टि० बी० एस० नगर माडकुलम मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मदुरै (355/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन छर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रथम प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तर्भूत हाग प्रकट नहीं किया गया या या "किया जाना नाहिए था, लिपाने में सुविधा" के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के बधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) ए० पौडुरंगण और (2) पी० सेलवराज (अन्तरक)

2. श्री बी० रामसामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकारी;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उप प्रधारा में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 355/78 जे० एस० आर० ओ० मदुरै भूमि और निमान सी० 15, टि० बी० एस० नगर, माडकुलम मदुरै।

ओ० आनंद राम सकम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं. 30 दिसम्बर 1978—यतः, मुझे, ओ० अनंदराम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन समय प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मर्वें नं. 630, 618/2 वी और 1331/2 हैं जो वीरपांडी गांव, मदुरै में स्थित हैं (और इससे उपावन्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमकुलम (1226/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तुरक (अस्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण सिक्षित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरा से ही हिसो अव दो बार, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। योर/या

(ख) ऐसो किसी प्राय या किसी भ्रम या प्रत्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ग की उपबाधा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. (1) टी० कर्षपासामी और (2) पी० गोविन्दराजन (अन्तरक)

2. तारा काटन ट्रेडर्स प्राईवेट लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने तुर्हा॒ सम्भति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू॑।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मात्तु अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम अवित्य द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं. 1226/78 एस० आर० ओ० पेरिमकुलम अग्रीकलटुरल भूमि और निर्मान सर्वे नं. 620, 618/2 वी और 1331/2, वीरपांडी गांव, मदुरै।

ओ० अनंदराम
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 31-7-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ(1) के प्रभावन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० 29/दिसम्बर 1978—यतः, मुझे, ओ० अनन्द्राम,

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ के प्रभावन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 617 और 619, बीरपांडी गांव, है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पेरिमकुलम (1225/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त प्रधिनियम के भवीत कर देने के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा निसी ग्राम या निसी वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री (1) मि० नटराजन और (2) ति० सीतारमण (अन्तरक)

2. तारा काटण ट्रिलरम प्राईवेट लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के लिए कार्यबाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डा हूमेट नं० 1225/78 एम० आर० ओ० पेरिमकुलम एग्रीकलचरल भूमि और निर्माण—पञ्च नं० 617 और 619 बीरपांडी गांव, मदुरै

ओ० आनंद्राम
सभीम प्राधिकारी,
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

प्रतः घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रकल्प भाई० टी० एच० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अगस्त 1979

निवेश सं० 42/दिसम्बर 1978—यतः, मुझे ओ० आनंद्राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० सरवे नं० 258/2 एरमंगलम गांव है, जो तिरुचेन्नोड तालूक में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूँछ रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेन्नोड (1799/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के नियंत्रण की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रभारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपबारा (1) अधीन, विश्वासित अधिकारी, अधीक्षण ।—

1. (1) डा० एस० मुरगेसण (2) बी० एम० गनेशण
(3) बि० एम० चातुरसेगरण (4) बि० एस० सदासिवण
(5) डा० बि० एम० बालसुबरमनियम (6) बि० एन० तिमार-
राजण (7) बि० एन० विश्वनातण (8) बि० एन०
रत्नसबापती (9) ति० रामलिंगम और (10) बि०
एन० सिवसुबरमनियम (प्रन्तरक)

2. (1) माराप गवुडर (2) पन्निमाल गवुडर और
(3) रामसामी (अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पुर्वान्तर सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन क सर्वेष में का। गो आश्रम:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 1799/78 एस० आर० ओ० तिरुचेन्नोड एग्रिकलचुरल भूमि 9.40 एकड़ सर्वेनं० 258/2 एरमंगलम गांव, तिरुचेन्नोड तालूक।

ओ० आनंद्राम
सभी प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन रेज-1, मद्रास

तारीख 1-8-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1979

निश्चे सं. 151 दिसम्बर 1978—यतः मुझे, श्रो० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. टी० एस नं. 34/1, 34/2 ए/2 बी० 8 2 एस०/1 कालारमपट्टी मेन रोड है, जो सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० श्रो०-1 सेलम (4900/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्षित है और पन्तरक (पन्तरकों) और पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण निकित में वास्तविक रूप से व्यक्त नहीं किया गया है।—

(क) पन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या किसी बन या अम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. (1) पी० सेंगोडण, (2) एस० सि० एस० पलनिमिय मुदलियार
(अन्तरक)

2. (1) देवराजन (2) बी० मनी और (3) बी० राजेन्द्रण
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में ऊर्ध्व पी माझेर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, पब्लोइस्टाकरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

त्वारीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लाकुमेन्ट नं. 4900/78 जे० एस० आर० श्रो०-1 सेलम भूमि टि० एस० नं. 34/1, 34/2 ए/2 बी० और 25/1 9265 एस० एफ० कालरपट्टी मेन रोड, सेलम

श्रो० आनंद्राम
सकम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 2-8-1979

मोहर :

प्रह्लाद शाह० श्री० एन० एम०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-३ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 4994—यसः, ममे, राधा बालकृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-३ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 8/1363-ए० है, जो कोयमबटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 4236/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978

को पूर्खोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्खोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभारण निवित्रा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रथ्य आस्तियों को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

यसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-३ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-३ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जानकी चेट्टी और अदर्स (अन्तरक)

(2) श्री आर० एम० विवेकानन्दन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्खोंका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्खोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अव्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 8/1363-1 ए० कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 4236/78)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रलेप याई० टी० एस०—

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज- , मद्रास

मद्रास, विनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 4994—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उचित वाजार मूल्य 25,000/- इपए दे प्रधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 8/1363—1ए है, जो कोयमबटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 4237/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये पन्नरिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिकल से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में शाहार्थिन का सहित नहीं किया गया है :—

(क) पन्नरिया ने दूर्दि किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी ग्रन्थ के अन्य प्राप्तियों को निम्नेभारीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबंध प्रस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) जानकी चेट्टी श्रीर अदर्म (अन्तरक)

(2) आर० एम० रामस्वामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

इस सम्पत्ति के प्रधीन के मंत्रिय में जोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि वाल में समाप्त होती है, के भी 15 पूर्वोक्त अवित्यों से से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त व्यावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम अवित्य द्वारा, प्रयोगसाधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 8/1363-1 ए, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं० 4237/78)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आवकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जानकी चेटटी

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269वा (1) के अधीन सूचना

(2) एम० एस० रामस्वामी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 4994—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० टी० एस० सं० 8136 ए० 1 ए० है जो कोयमबद्दूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबद्दूर (डाकूमेंट सं० 4238/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिये; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भूमि—टी० एस० सं० 8/136 ए०-1 ए कोयमबद्दूर (डाकूमेंट सं० 4238)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

ग्रन्तः श्री, उक्त अधिनियम की भारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269वा की उपधारा, (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवर्ति :—

5—225GI/79

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रश्नपत्राई० टी० एन० एस०——

(1) श्री जातकी चेट्टी और अदरसं (अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
बारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री एस० सुसीला (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निदेश सं० 4994—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन्,
ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए० सं० 8/1363-1 ए है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4239/78) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16
दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे सारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ए की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों अन्तर्तु:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
जिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 8/1363-1 ए, कोयम्बटूर (डाकु-
मेंट सं० 4239/78) ।

राधा बालकृष्णन्
सभम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

भोहर :

प्रह्लाद प्राइंटो ट्री. एन.एस.---

(1) श्री आर. उमापत्ती

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) एस. प्रार. बल्लयप्प कौनडर

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अगस्त 1979

निदश सं. 10019—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 50, 50 ए और 51, है जो औफ रोड, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाकुमेंट सं. 160/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वित्तीकरण के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरमें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अवित्ती, अवृत्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तीयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तीयों में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्पद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं. 50, 50 ए. और 51, औफ रोड, ईरोड (डाकुमेंट सं. 160/79)

राधा बालकृष्णन
संसद प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० 10011—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारब्द
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 70 है, जो ईसवरन कोविलस्ट्रीट टिरुप्पूर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टिरुप्पूर (डाकुमेंट
सं० 1699/78) में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृथमान प्रतिफल से, ऐसे बृथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम; 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बालकनकलता बाल सैलजा निं० प्रितवीराज
(अन्तरक)
(2) श्री नंजप्प घौड़ंर
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

लिखितरूप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिचारित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बालकृष्णन

भूमि और निर्माण 70, ईसवरन कोविल स्ट्रीट
टिरुप्पूर (डाकुमेंट सं० 1699/78)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख 3-8-1979 :
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एस० एस०—

(1) श्री टी० के० सी० मौली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री रा० पलनियप्पन

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1979

निर्देश सं० 4987—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० सं० 9/25 ए०, है, जो कास काउरोड कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4220/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब या गया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छत या अन्य अस्तित्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन्यसूची

भूमि और कामपौड बाल टी० एस० सं० 9/25 ए०, कास काउरोड कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 4220/78)।

राधा बालकृष्णन
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 2-8-79

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तित्यों, यथातः—

प्रकाप धाई० टी० एन० एस०----

(1) लीला रामनान

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) एस० पारबती

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 अगस्त 1979

निर्देश सं० 8435—यतः मुझे राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्रम प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 111/1, है, में जो कन्नमपालयम ग्राम में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूलूर (डाकुमेंट सं० 1398/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 विसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से चक्र अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरस्वन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवधि द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग, जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

अधीक्षकलक्षुरस भूमि—एस० एफ० सं० 111/1 ए०; कन्नमपालयम (डाकुमेंट सं० 1398/78)।

राधा बालकृष्णन
सभम प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपबाता (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, प्रवर्ततः—

तारीख : 6-8-1979

मोहर :

प्रधान प्राई. टी. एन. एस.—

(1) श्रावण वेनुधोपाल अध्ययन

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 अ (1) के प्रधीन सूचना

प्रारंभ सरकार

(2) श्री आलाजी रानटरप्रैसस

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1979

निवेंशं सं 8450—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-वा के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में प्रधिक है

और जिसकी सं 65, है, जो बीमा नगर हेवर रोड, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उचापद अनुचित में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली (डाकुमेंट सं 5822/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रभारा लिखित में बास्तुविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राह की वापत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पाया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में सूचित के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की वारा 269-वा के बद्दुसरण में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गवर्नर :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जारीकरिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद वे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वाचर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा वक़ेरे :

स्वाचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

ममतूषी

भूमि और निम्नण 65, बीमा नगर हेवर रोड, दिल्ली (डाकुमेंट सं 5829/78)

राधा बालकृष्णन

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-8-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वी० रास जोसफ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री सी० टी० वीरपन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, विनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० 8452—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभावत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 17, है, जो बेनवेलस रोड ट्रिचिरापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकुमेंट सं० 5589/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्णता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है परंतु मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) पर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया जाया प्रतिफल, निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घन्तरण से ही किसी ग्राम की बाबत, उक्त प्रविनियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के हायिक्स में कही करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या घण्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि प्रौर निर्माण-17, बेनवेलस रोड, ट्रिचिरापल्ली (डाकुमेंट सं० 5589/78)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II मद्रास

मत: यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुत्तरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के घब्बीग निम्ननिमित्त अनिवार्य, अर्थात्:—

तारीख: 3-8-1979

मोहर:

प्रकप पाई० दी० एस० एत०—
प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
भारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० 8427—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

मौर जिसकी सं० 41 है, जो रा० राजा सी० कामपौनड
पुदुमालायम, कडलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध सूची में
मौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कडलूर (डाकुमेंट सं० 1473/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से
प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है:—

(क) अस्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में करने करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बायर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भग्न धार्सियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्नकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
बाका चाहिए था, छिरने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को भारा 269-ग के अनुसार में
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अवृत्त :—

6-226GI/79

(1) श्री जे० केवनातन जे० जयचन्द्रन जे० खीचनद्वन
(अन्तरक)

(2) श्री एस० चोकलिनघम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
निवित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ दोणा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

भूमि और निर्माण 41, रा० एस० सी० कामपौड़,
कडलूर (डाकुमेंट सं० 1473/78)।

राधा बालकृष्ण,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 3-8-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई-टी-एम-एस-—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अगस्त 1979

निर्देश सं० 8436—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयाम
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 1 बी० 1, 1 बी० 2, 1
बी० 3, है, जो फरस्ट स्ट्रीट, श्रीनगर कालोनी तनजाबूर में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुठुकौटी
(डाकुमेंट सं० 3990/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विषयाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त असरण निषिद्ध में वास्तविक रूप से करित
नहीं किया गया है:-

(६) अन्तरण से दृढ़ि किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उपर बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किमो पय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्रकारति:—

(1) श्री एस० श्रीनिवासन (अन्तरक)

(2) श्री रा० तवाक्कल बाणा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अविक्षियता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवड़ किसी ग्रन्थ अविक्षियता, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लप्पटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्यापार में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 1 बी 1, 1 बी 2,
1 बी 3, श्रीनगर कालोनी तनजाबूर (डाकुमेंट सं० 3990/
78)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री रत्नम श्रावी और अर्दजा (अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269 अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ए० सी० सुब्रद्या (अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मंत्रालय

मंत्रालय, दिनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० 8437—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा याहा है), की ओरा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 34, है, जो तिरुमयम रोड पिच्चतानपट्टी में स्थित है (और इससे उपाद्वार अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुजुकोट्टै (डाकुमेंट सं० 2105/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अन्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवधियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रत्येक लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रत्येक के संबंध में कोई भी ग्रामेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी अवधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी पथ्य अवधित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदां का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ दोगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 34, तिरुमयम रोड पिच्चतानपट्टी, पुड्कोट्टै (डाकुमेंट सं० 2105/78)।

राधा बालकृष्ण
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मंत्रालय

तारीख: 3-8-1979

मोरह:

प्रकृष्ट प्राईंटी टी. एन. एस.---

(1) श्री एस० आर० राघवीर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 अगस्त 1979

निर्देश सं० 6833—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 26, है, जो ओमस रोड, मद्रास 10 में स्थित है (और हमसे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, पुरसवास श्रम, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1840/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) 1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-26, ओमस रोड मद्रास-10, (डाकुमेंट सं० 1840/79)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II

मद्रास

तारीख : 3-8-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन.एस.—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा

269वाँ (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मंत्रालय

मंत्रालय, दिनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 63/दिसम्बर/1978—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-वा० के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धारार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15 ए.टि० एस० नं० 1571 काणपालयम Ist स्ट्रीट है, जो मदुरै में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० मदुरै (4661/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के पश्चीम कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौढ़/या

(ख) ऐसी किसी भाय या फिसी भ्रन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की आरा 269-वा० के अनुसरन में, मैं उक्त अधिनियम, की आरा 269-वा० की उपचाय (1) अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सिंह पेरिमसामी (अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० राजलक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी व्यक्ति द्वारा, व्याप्रोद्युस्ताकारी के पास लिखित में छिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही घर्षण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4661/78 जे० एस० आर० ओ० मदुरै भूमि और निर्माण—डोर नं० 15-ए.टि० एस० नं० 1571 काणपालयम Ist स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मंत्रालय

तारीख : 10-8-1979

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 36/दिसम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आधा 269 व (1) के प्रधीन समाप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रतिक है

और जिसकी सं० 701 (7th फोलोर) बी० डिलाक, शिवालया, 16, कमेंडर इन चीफ रोड, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाकृत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नार्थ मद्रास (4763/78) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्षण विभिन्न में वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के उच्चरक कायित्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी गाय या किसी छन वा गन्य प्रास्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या अन्तर कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीननार्थ प्रतिरक्षण द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, तिपास में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रविनियम की आधा 269 व (1) के अनुसरण में, वे, उक्त प्रविनियम की आधा 269 व (1) के उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री परमानंद एच० बजाज (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला मोतिराम महबुबानी (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रत्यक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविनियम के प्रधाय 20 के परिमाणित हैं, वही प्रयं होगा जो उप प्रधाय में विया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4763/78 जे० एस० आर० ओ० I मद्रास नार्थ निर्माण-फिलेट नं० 701, 7th फोलोर, शिवालया, 16, कमेंडर इन चीफ रोड, मद्रास-8।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (नियोजन)
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 10-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा
269 अ (1) के ग्रन्थीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 40/दिसम्बर/78—यतः, मुझे, ओ०
आनंद्राम,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269 अ
के ग्रन्थीन सम्बन्धम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थानवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 54 (मिनिमा थियेटर) गांवी सालै है,
जो रासिपुरम टाऊन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और
पूर्ण रूप में बांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
रासिपुरम (1583/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रन्थीन 16 दिसम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के ग्रन्थीन कर देने के अस्तरक के बायित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) पेसो किसी ग्राम या किसी घन या ग्रन्थ प्रास्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269 अ के अनुसरण में,
उक्त प्रधिनियम, की ओरा 269 अ (1) उपबारा (1)
ग्रन्थीन निम्नलिखित अधिकारों अवाल :—

(1) श्री एल० नागमलै उड़ेयार, (2) एन० सिवसंकरन
ओर (3) एन० अगंमुतु (अन्तरक)
(2) श्री ए० मुबरमनियम, (2) ए० नैनामलै और
(3) ए० कंदुसामी (अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए
नार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैन के सम्बन्ध में कोई भी मानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारों में में किसी
अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रथ्य अधिक द्वारा ग्रन्थोदस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 1583/78 ए० आर० ओ० रासिपुरम
भूमि और निमिण मिनिमा थियेटर डोर नं० 53, गांवी
सालै, रासिपुरम टाऊन।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 10-8-1979

मोहर :

ब्रह्मप्रधाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

(1) (1) आर० चिदंबरम छेट्टीयार श्रीर (2) मि०
कुमारेसन। (अन्तरक)

(2) श्री आर० रंगनाथन (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 57/दिसम्बर /78—यतः, मुझे श्रो०
आनंद्राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वं
के प्रधीन समान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 22, जंबु लिनाम छेट्टी स्ट्रीट, शेवापेट,
सेलम-2 में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध सूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० श्रो० सेलम (3263/78) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर

1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से
अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अस्तरण के बिचे तब पाया गया प्रतिक्रम,
मिन्हिकित चौथे से उक्त अस्तरण मिन्हित वं वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(a) अस्तरण से ही किसी प्राप्त वी वाक्त उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

अनुसूची

(b) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-वं के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-वं की उपचारा (1)
के प्रधीन निन्हिकित अधिकारियों पर्वातः :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंते के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजंते के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध
किसी अस्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिमालित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

आकुमेन्ट नं० 3263/78 जे० एस० आर० श्रो० सेलम
भूमि और निर्माण- (गोडान) डोर नं० 22, जंबुलिनाम छेट्टी
स्ट्रीट, शेवापेट, सेलम-2

श्रो० आनंद्राम
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस० --

(1) था० टि० राजगोपाल नाडार और (2) टि०
मुस्तेया (अन्तरक)
(2) श्री पि० रामचंद्रन चेटियार (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 अगस्त 1979

निर्देश सं० 64/दिसम्बर/78—यतः, मुझे, ओ० आनंद्राम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 124, ईस्ट पेर्माल मैस्ट्री स्ट्रीट, (चित्कार स्ट्रीट) मदुरै में स्थित है (ओ० इससे उपावन्द में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० I मदुरै (4603/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की जई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और घस्तरक (घस्तरकों) और घस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त घस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया जाया है :—

(क) आयकर से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य प्राप्तियों को जिन्हें सार्वनाय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धा०-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाय घस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुश्किल के लिये;

अनुसन्धान

डाकुमेंट नं० 4603/78 जे० एस० आर० ओ० I मदुरै भूमि और निर्माण डोर नं० 124, उस्त पेर्माल मैस्ट्री स्ट्रीट (चित्कार स्ट्रीट) मदुरै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को ज्ञाता 269-ए की उपलब्धा (1), के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, पर्वतः—

प्रूँग बाई० टी० एन० एस०————

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० 62 दिसम्बर /78—यतः, मुझे ओ०
आनंद्राम,

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें
“सके पालतू ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-ख
वे प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 41 सी टिक्केन्द्रम रोड, पालमकोटै
में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय पालमकोटै
(2647/78) में भारतीय रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने
का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और पन्द्रह (पन्द्रहकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्द्रहण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्द्रहण निश्चित में
दृश्यमान प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति नहीं हिता गया है:—

(क) पन्द्रहण में हुई किसी प्राय को बाधा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के भनारके
शान्ति व में कमी करने या उससे बचने में मुदिष्ठा के
लिए घोरणा

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या
प्रतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या किया गया में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरन में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री सिंह सेमुवेल पिल्लै (2) रेक्सेना रोमुवेल
(3) एम० डेबिड चेललप्पा (4) कीमनराजकुमारी (5)
शीला मार्गतोय और स्ट्रीटीनन-रत्नकुमार (अन्तरक)

(2) श्री मिं अबदुल लतीफ (2) नफीसा बंबी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रदेश के सिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अद्यतन के संबंध में छोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी प्रय्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
निश्चित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया
है।

वनुसूची

डाकुमेंट नं० 2647/78 जे० एम० आर० ओ० पाल-
मकोटै भूमि और निर्माण 42 सी०, टिक्केन्द्रम रोड,
पालमकोटै।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

दिनांक : 13-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं. 9 दिसम्बर 1978—यतः, मुझे, ओ०
आनंद्राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269व (1) के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं. 70 सलेम ठबुन संवापे है, जो पांचपट्टे
रोड, पल्लपट्टी गांव बैलम डिस्ट में स्थित है (ओर इससे
उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, ज० एस० आर० ओ० III सेलम
(3034/78), में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती
(पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में लास्त्रिक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) बस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी पाय या किसी व्यक्ति या अन्य व्यास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनाये प्रस्तरितो द्वाया प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के प्रस्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वा की उपचारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्पातः—

(1) प्र० लक्ष्मण छेट्टीयार (2) एल० पी० जेर्टियार
(3) एल० एस० वासन और एल० जनगराजन (अन्तरक)

(2) धानासौन्दरी और ए० कुलन्दैपिलै (अन्तरित)

को यह सूचना आरो करके पूर्णतः समान के भ्रंत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भ्रंत के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः अधिकारी
में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में टिन-
बद्द किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण 1:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-वा में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं. 3034/78 ज० एस० आर० ओ० III
सेनम भूमि और निर्मान डौर नं. 70 सलेम ठबुन सेवापेहे
ण-दैरपेहे रोड, पल्लपट्टी गांव सेलम डिस्ट्रीक्ट।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी.एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निम्नों सं० 8/दिसम्बर/78—यतः, मझे ओ० आनंद्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- स्पष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० सबै नं० 100 सेगारम मेलवार, है, जो शेनोहा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शेनोहा (2266/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष अन्तरकों और प्रत्यक्षी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(ए) अनुसूचना से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० अबदुल करीम (2) श्रीमती मिस्ल बीबी (अन्तरक)

(2) श्री हाजी के० मोहम्मद मौदीन (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में हुई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार किसी अन्य अधिक द्वारा, अनुसूचिती के पास लिखित में किए जा सकेंग।

प्रधानीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-कर्म में यथा परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2266/78 एस० आर० ओ० शेनोहा काली भूमि 28 सेन्ट, सेगारम मेलवार, शेनोहा गांव।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रश्नपत्र आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० आर० बेंकटरमनी

(अन्तरक)

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० 7/दिसम्बर/78—यतः, मुझे श्रो० आनन्द्राम, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 297 कोट्टुकुडी गांव बोडिनामकनुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, बोडिनामकनुर (12417/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर/78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अस्तरण से हुई इसी प्राय को बतान चाहत अधिनियम, के प्रबोध कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(2) डा० आर० रामचन्द्रण

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी रखके पूर्वांक अपत्ति के प्रबंधन के लिए लायवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन में कोई भी घाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि पा तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवद किसी अन्य अविक्षय द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा याकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(छ) ऐसी किसी प्राय या फिसी प्राय को बतान चाहत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम को आरा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269 व की उपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

डाकुमेन्ट नं० 2417/78 एस० आर० श्रो० बोडिनामकनुर गार्डन लेन्डस सबे नं० 296 कोट्टुकुडीगांव, बोडिनामकनुर।

श्रो० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
महावकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रसूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰—
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(1) श्री वी॰ आर॰ वेंकटरमनी

(अन्तरक)

269-प(1) के अधीन सूचना

(2) डा॰ आर॰ रामचन्द्रण

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निदेश सं 6/दिसम्बर /78—यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम, ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं ० सरवें नं ० 296 और 297 कोट्टकुडी गांव है, जो बोडिनामकनुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बोडिनामकनुर (2422/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978:

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए प्रतिकृत को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पद्धति प्रतिगत से प्रतिकृत है और प्रतिकृत (प्रतिकृती) और प्रतिकृति (प्रतिकृतियों) के बीच ऐसे प्रत्यरूप के लिए तत्पर राय गया प्रतिनिधित्व उद्देश्य से उक्त प्रत्यरूप विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरूप में ही किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरूप के बायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(क्ष) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिसमें भारतीय ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यरूपी धारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं 2422/78 एस० आर० श्री० बोडिनामकनर गार्डन लेन्डस सखे नं 296 और 297, कोट्टकुडी गांव, बोडिनामकनुर।

श्री० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

यतः यद्युपर्याप्त अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० 5/दिसम्बर /78—यतः, मुझे ओ० आनंद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन् इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 8 बाजार रोड, है, जो कटमनल्लूर तेनकासी ठालूक में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सी अधिकारी के कार्यालय, कडमनल्लूर (2502/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1978 को प्रबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का चारह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कारण से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी बरते या उससे बरते में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी अन्य या प्रत्य लाइसेंसों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधीत :—

(1) श्री के० एस० सोरनम पिलै, लिक्विडेटर, पालमकोटे निश्चावेली बीवरगम को-आप० मेलस मोसाईटी
(अन्तरक)

(2) मैसर्स वी० एस० मोहम्मद इतरीस (2) वी० एस० अफमरकान पुल वी० डी० मैयद मसूद माहिब
(अन्तरिती)

को पृ० मूचना आरो करके प्रबोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के प्रबन्ध में कोई भी व्यापेय :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तसम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में व्यापन होती हो, के भीतर प्रबोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्तन द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रत्य अवक्तन द्वारा अशोहस्तान्त्री के पास निविन में किये जा सकेंगे।

इकट्ठीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रयृ होंगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2502/78 एस० आर० ओ० कडमनल्लूर भूमि और निराण और प्रापरटीम डोर नं० 8 बाजार रोड, कडमनल्लूर, तेनकासी ठालूक।

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निम्नें सं० 24/दिसम्बर/78—यतः, मुझे श्रो० आनन्द्राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 31-वीं विद्वाण पोष्टसामी पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, पुदुमडंपम (2128/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पम्भह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाविद्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उच्चारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अन्यतयों अर्थात् :—

(1) श्री मैत्र, एम० भट्टेया पुत्र पिं० एल० एम० मुसैमा खेतियार
(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० लक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंचवंश में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वय किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रश्नोद्देशाधीरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्व द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाक्युमेंट नं० 2128/78 एस० आर० श्रो० पुदुमडंपम भूमि और निर्मान डोर नं० 31-वीं विद्वाण पोष्टसामी पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जेन्ट रेंज, मद्रास

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निदेश सं० 23/दिसम्बर/78—यतः, मुझे ओ० आनंद्राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० 31 वी प्रिंट विद्वाण पोन्नमामी पिल्लै
स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (ओ० इसमें उपावड़ से और पूर्ण
स्थप में वर्णित है), नियमितीकरणी अधिकारी के कार्यालय,
पुदुमंडपम (2127/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
भियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तथा यांत्रिक विकास के लिए
उद्देश्य न उस प्रतीका तिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(1) श्री मैनर एम० वीरपण पुत्र पिं० एल० एम० मुलैया
थेटियार
(अन्तरक)

(2) श्रीमती टिं० लक्ष्मी
(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावह किया
गया अवक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण संदर्भ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के इायित्र में कमी
करने या उपर्युक्त में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए, या, उपर्युक्त में सुविधा के लिए;

डाकुमेंट नं० 2127/78 एस० ओ० पुदुमंडपम
भारतीय आयकर अधिनियम डोर नं० 31-वी विद्वाण पोन्नमामी
पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै।

तारीख : 13-8-1979

मोहर :

अतः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-226GI/79

ओ० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

प्रह्ल अर्ड० टा० ए०० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा(1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० 22/दिसम्बर/78—यतः, मुझे ओ० आनंदाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पि० इसमें इसके पाइचान 'उत्तर अर्ड० एस०' का दागा गया है) की धारा 269वा(1) के अधीन सूचना को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यांतर उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. वे अधिक है और जिसकी म० 31-बी विद्वाण पौष्पसामी पिल्ली स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (याँर इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, पुदुमंडपम (2128/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्णत अधिक उत्तिवाचन वाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रति रुप के नए प्रतिवर्ती की नहीं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयुक्त सम्पत्ति का उत्तिवाचन बाजार मूल्य, उसके दुष्यमान प्रतिकल में, ऐसे दुष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरूप के लिए नया दाया गया प्रतिकल निम्ननिचित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिरूप में हाइड्रोलॉजिकल आय की जावा, उत्तर यांत्रिक नियन्त्रण करने के अन्तरक के उत्तिवाचन में उत्तरकों या उत्तर अन्तरकों में सूचिया के फैल; और या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन वा उत्तर अन्तरियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अंगैकरणीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 2128/78 एस० आर० ओ० पुदुमंडपम भूमि और निर्माण 31-B विद्वाण पौष्पसामी पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै।

ओ० आनंदाम
सूचना प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 13-8-1979

मोहर :

अतः यदि उत्तर अधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में, उत्तर अधिनियम की धारा 269वा की उत्तराया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रसूप ग्राइंडो टी० एन० एस०——

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश सं० 21/दिसम्बर/78—यतः, मुझे श्रो० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 31-वीं विद्वान पोन्नुसामी पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुदुमलपमा (2125/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त ग्रन्ति के उचित बाजार मूल्य से रु४ हें दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिल में वास्तविक रूप से किया नहीं गिरा जाता है :—

(क) अन्तरण न हुई किंतु या जो बाजार, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रहो करने से उससे बचने में वृत्तिशा के लिए; तो हाथा

(ख) ऐसी किसी ग्राता किसी वना या प्रन्य पास्तियों का जिन्हें भारतीय दानकर प्रविलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अतिरिक्त इस प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जाकिए या उपाने में वृत्तिशा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसूचना में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित वृत्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पि० एल० मुतैमा चेटीमार (अन्तरक)

(2) श्रीमती टि० लक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ग्रन्ति के अधीन कार्यालयों रुखता है।

उक्त ग्रन्ति के अधीन के मानवत्व एं कोइ भी ग्रामेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में अमाप्त नहीं हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से हिस्सी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, यथोऽस्ताक्षरां त पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इस प्रयुक्ति वृद्धों और वहीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के वै परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

डाकुमेंट नं० 2125/78 एस० आर० श्रो० पुदुमडंपम भूमि और निर्माण डोर नं० 31-वीं विद्वान पोन्नुसामी पिलै स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनन्द्राम
मकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 13-8-79

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एम० एस० —

(1) श्री प८म० पलनिमण्णण ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती टी० लकद्वार्मी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 अगस्त 1979

निर्देश नं० 78/सितम्बर/78—यतः, मझे श्रो० आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाँचवां 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व (के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रतिक्रिया उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

ओ० जिसकी सं० 31-बी विद्वाण पौश्चामी है, जो पिल्लै स्ट्रीट मदुरै में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), जिसकी कारण अधिकारी के कार्यालय, पुदुमंडपम (2213/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसम्बर 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से उपयोग किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावीप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू व इसी संपत्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; ओरपा

(ए) एक्टो के दुई छिन्नों आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

डाकूमेन्ट नं० 2213/78 एस० आर० श्रो० पुदुमंडपम भूमि और निर्माण डोर नं० 31-बी, 'विद्वाण पौश्चामी पिल्लै स्ट्रीट, मदुरै।

श्रो० आनन्द्राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व (के अनुसार) में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (की उपबारा (1) के अधीन) निर्धारित व्यक्तियों अवादि :—

दिनांक : 13 अगस्त 1979
मोहर :

प्रक्षा प्राई. श्री० ए० ए० १८०-----.

(1) श्री वी० आर० के० आर० ए० लक्ष्मण
चेट्टियार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

(2) श्री टी० सिवलिनद्वम

(अन्तरिती)

269व (1) के प्रष्ठोन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 8453—यतः मुझे, आया ना बहुण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ज 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी घारा
269-व के प्रष्ठोन गत्तम प्राधिकारी थे, पूर्ण विवास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पति, विवास उचित नाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० 498 है, जो पेरियकठै स्ट्रीट ट्रिचि में
स्थित है (और हमें उक्त घार में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्टर्ड कार्यालय के कार्यालय, ट्रिचि (डाक्मेंट सं०
3506/78) में भारतीय रजिस्टर्ड करण आयिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य गूरु के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित ही गई है और मूँहे पड़ विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ना उचित नाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदद्द
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तथ पर्याय गया
प्रतिफल निम्नोन्नति उक्त य उक्त अन्तरण निभि। गौवा-
विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी याय को अवल उक्त प्रधि-
नियम के प्रष्ठोन करने के अन्तरक के दायित्व में कसी
करने या उनसे बचने में सुविधा ह विए; और/या

(ब) ऐसी किसी याय को किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आवाहन अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1)
प्रष्ठोन निम्नविविष्ट व्यक्तियों, मम्पति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त मम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों
में से किसी अवित्त द्वारा ;

(ब) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंत्ति में
हित्रिड छिपी वन्य व्यक्ति जा०, या इसनामी
के पास निविन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-498, पेरियकठै स्ट्रीट, ट्रिचि (डाक्मेंट
सं० 3506/78)

राधा बालकृष्ण,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनांक: 10 अगस्त 1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 8453—यतः मुझे राधा वालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- एवं से अधिक है

और जिसकी सं० 498 है, जो पेरिमकठे स्ट्रीट ट्रिची में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकूमेंट सं०
3507/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को
पूर्वोक्त समस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का उद्घात प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पौर अर्थात् (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दरहरात उक्त अनुसरण निवारन में वास्तविक रूप से कठित
नहीं लगा गया।—

(क) अनुसरण से हुई किसी प्राप्ति का बाबत इकै
अधिनियम, के पश्चीन कर देने के अनुसरह के
पायित्व में कमी नहीं या उभय उचित में सुनिश्चि
त नहीं होइ।

(ख) ऐसा किसी आप या किसी धा या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए वा, उपाने
में अविक्षय के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवैत।—

(1) श्री लक्ष्मन चेट्टीयार

(अन्तरक)

(2) श्री टी० सुब्रमनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए वार्यवाहिया करता है।

उक्त अनुसरण अर्जन के नंबर 10 कोई भी शाखेपः—

(३) यह सूचना उक्त अनुसरण की जारीब से
45 दिन की प्रवधि या तार्यांकी अविक्षयों पर
सूचना की सार्वात्मक से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि या वह दो अपाप्त दोस्ती हो, के
पीछे उपर्युक्त अविक्षयों वै ते जिसी अविक्षय
द्वारा।

(४) इन सूचना के राज्यपद में प्रवाशन की जारीब से
15 दिन के अन्तर उक्त अनुसरण अनुसारि
में दिलचस्पी हो, अक्षित द्वारा, यहां अनुसारि
तर, एवं प्राप्त निवारन से दिलचस्पी करके।

स्पष्टीकरण :—इसमें नयुक शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधि-
नियम के अध्ययन 20-वाँ में परिभाषित हैं,
उही अर्थ होते हैं, जो उस अधिकार के दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 498 पेरियकठे स्ट्रीट ट्रिचि (डाकूमेंट
नं० 3507/78) ।

राधा वालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास।

दिनांक: 10 अगस्त 1979

मोहर:

प्र० ४८५ यादें टी. प० १० यान्

(1) श्री लकश्मनं चेटीयार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की आग 269-व (1) के अधीन गूचन

(2) श्री टी० रामन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 8453—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आग 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 498, है, जो पेरियकठै स्ट्रीट ट्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिची (डाकूमेंट सं० 3508/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिसम्बर 78 को पूर्वोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पात्र या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध वैवासनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने ही किसी ग्राम की गावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक की डॉ० ट्वेंटीमीटी के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या विद्योन्त या यद्यपि अधिनियमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पद्धोन्तनाम अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना नाहिए या, ठिकाने में भूतिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आग 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आग 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

को यह सूचना जाने करके पूर्वोन्त सम्पत्ति के प्रजन्त के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के मंदिर में कार्ट भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर यूर्वोन्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

संघटोनरग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 498, पेरियकठै स्ट्रीट, ट्रिची (डाक-मेंट नं० 3508/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 10 अगस्त 1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
69-व (1) के अधीन सूचना

राज्य सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

निवेश सं० 10004—यत्; मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (विधि ४८में
इसके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), यी गण
269-व के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि व्यापार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/-०० से अधिक है

और जिस की सं० रास नं० 1672/1, है, जो ऊटी में स्थित
है (और इससे उगावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकमेंट सं० 1558/78)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 के अधीन दिसम्बर 78

को पूर्वोक्त समर्नि के अन्त बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थवाक्य सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान
प्रतिफल का अद्वा प्रतिशत प्रतिफल है जो अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उस अन्वरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:-

(क) अन्वरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन उर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसो कि तो भी या किसी थन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगान्वय अन्तरिती इत्या प्राप्त नहीं किया गया
या या किया ना चाहिए या, छिपाने में मुविष्ठा
के लिए,

(1) दो नियमित व्यापार और प्रोफर्टीज (पी)
नियमित

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पारवती अम्माल

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
में शार्यवादी होती है।

उक्त नियमित अर्जन के अन्वय में कोई भी अक्षेपः—

(ए) इस सूचना के राजाव विकाशन की तारीख से 45 दिन
की प्रतिक्रिया वाक्तव्यों पर सूचना की
आमीन में 30 दिन का अवधि, जो भी यद्यविवाद
में भाग्य होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उत्त स्थावर समानि में हिन-
वाद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधावस्ताक्षरी के
पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रदूष गद्दी और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ दीया जो उस अध्याय में दिया
या है।

जनसूची

भूमि सं० नं० 1672/1, ऊटी (डाकमेंट सं० 1558/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 9 अगस्त 1979

मोहरः

अवृत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्वरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राईंटी टी.एन.एस.—

(1) दी नीलगिरिस होटलस और प्रापर्टीज (पी) लिमिटेड।

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री सी.एम. कामया

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरित)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के प्रजनन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

निवेश सं. 10004—यतः मुझे राधा बालकृष्ण
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस का सर्वे नं. 1672/1 है, जो ऊटी में स्थित है (और
इससे उपावड़ में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
प्रधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकुमेंट सं. 1559/78) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिसम्बर /78 को

पूर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपर अन्तरण मिथित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन व अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने के
लिए।

मुद्रूरूपी

भूमि—प्रार. एस. सर्वे नं. 1672/1, ऊटी
(डाकुमेंट सं. 1559/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979]

मोहर :

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
 मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० 100004—यतः मुझे राधा बालकृष्ण
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
 मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
 और जिस की सं० राम सं० 1632/1, है, जो ऊटी में स्थित
 है (और इससे उपाख्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
 कर्ता अधिकारी के कार्यालय ऊटी (डाकूमेंट सं० 1560/78)
 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन दिसम्बर 78 को**

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 9-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धात्:—

(1) दी निर्वाचित और प्राप्तीजि (पी) लिमिटेड
 (अन्तरक)

(2) श्री बी० एम० ब्रम्हवद्या
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सके।

उपर्युक्त :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि राम सं० 1672/1, ऊटी
 (डाकूमेंट सं० 1560/78)

राधा बालकृष्ण
 सक्षम प्राधिकारी
 महावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979
 मोहर :

प्राप्त प्राई. टी. एन. एस.—

(1) दीनिलफिरीस और प्रापर्टीज (पी) लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री राम राजू

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अगस्त 1979

निवेश सं. 10004—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सभीम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं. रास सं. 1672/1, है, जो ऊटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटी, (डाकूमेंट सं. 1561/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का प्रभाव प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आदि था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अङ्गाय 20-क में परिवर्णित हैं, कहीं अर्थ हीना, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—रास सं. 1672/1, ऊटी
(डाकूमेंट सं. 1561/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज II मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979

मोहर :

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

प्रलेप बाई० ठी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० 10004—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन समाप्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० रास सं० 1672/1 है, जो ऊटी में स्थित है (और इससे उपावड में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटी (डाकूमेंट सं० 1562/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिगत प्रधिक है और पत्तरक (पत्तरकों) और पत्तरिती (पत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के पत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी वस्तु या धन्य प्राप्तियों, को जिस्मे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वातः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त :—

(1) दो निलधिरीस होटलम और प्रापर्टीज (पी) लिमिटेड (अन्तरक)

(2) श्री राम रविकुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी बटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्याद्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैत के संबंध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भवोद्दृस्ताभी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पूर्व गढ़ों प्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रास सं० 1672/1, ऊटी
(डाकूमेंट सं० 1562/78)

राधा बालकृष्ण
मशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री एम० शार० वेनकिटुस्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस० महताब हासीन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 4975—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है।

और जिस की सं० है, जो उदुमलपेड़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदुमलपेड़ (डाकमेंट सं० 3761/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विभागित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन विभागित अवित्तियों अवृत्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—उदुमलपेड़
(डाकमेंट सं० 3761/78)

राधा बालाकृष्णन्
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 10 अगस्त 1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० 4976—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'दस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 10, 10ए, 10बी, है, जो कारापुरम रोड़, कोविचेट्टीथालयम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, ईरोड़ (डाकूमेंट सं० 4221/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिसम्बर 78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है।—

(क) प्रम्तरण से हुई किसी पाय की भावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी पाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री जी० एन० नमसिवाथम

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वी० नागराजन
जी० एन० रत्नसिनघम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी प्राप्तेप !—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा; जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण— 10, 10ए 10बी ठारापुरम रोड़,
धोबी

(डाकूमेंट सं० 4221/78)

राधा बालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुति प्राइंटी टी० एम० एस०—

(1) श्री आर० सुब्रह्मनियम् अध्यक्ष

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

(अन्तरक)

धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० अब्दुल वाहीद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निकेश सं० 8439—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिग्नी सं० टी० एम सं०, 1076 है, जो सेनथलुनिरपिलयार कोयिल स्ट्रीट, चिदम्बरम में स्थित है (और इसमें उपाख्य भें और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिदम्बरम (डाकमेंट सं० 2904/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तस्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मानी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी० एम सं० 1076 सेनथलुनिरपिलयार कोयिल स्ट्रीट, चिदम्बरम

(डाकमेंट सं० 2904/78)

राधा बालाकृष्णन्
मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 10 अगस्त 1979

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस

(1) श्री मेलुर वेल्ली टी० पलेनटेशन्स

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) मेलुर वियू पलेनटेशन्स

(अन्तरिती)

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 10001—यतः, मुझे, राधा बालाकृष्णन्, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी सं० एस० मं० 41/1 वी 9/111-116 और 116ए है, जो मेलुर ग्राम कूनूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकूमेंट सं० 1601/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—एस० मं० 41/1 वी 9/111-116, और 116 ए, मेलुर, कूनूर
(डाकूमेंट मं० 1601/78)

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालाकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

दिनांक : 10 अगस्त 1979
मोहर :

प्रारूप ग्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश सं० 10003—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० एम सं० 74-77, है जो उठम्टाक पेलम
उडकमेंड में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुमूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उटी
(डाकूमेंट सं० 1566/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिमावर 78 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अनुक्रिक ट्रेटिनिंग और इन्वेस्टमेंट (पी) निमिटेड
(अन्तरक)

(2) घृष्ण शेकरठ ग्रान्टर प्रैमिस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अब्रोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

इन्होंने प्रपूत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, बहुत अचूक जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूची

एम० मं० 74-77, उठम्टाक पेलस उडकमेंड
(डाकूमेंट 1566/78)

राधा बालकृष्ण
सधम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 9 अगस्त 1979

मोहूर :

प्रकृष्ट आई० डी० एन० एस०----

(1) श्री महेन्द्र चन्द्र ठाकुर

व्यापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(ग्रन्तिक)

269व (1) के अधीन मूल्यना

(2) श्री धर्मसाक्षी अच्युत इंडस्ट्रीज

भारत सरकार

(ग्रन्तिरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शर्जना रोज़-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 84-15—यन॑: श्री राधा बालकृष्ण,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269व के अधीन व्यापक प्रधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 68, है, जो मित्रातूर हामलेड वेस्मपाल्यम में स्थित
है (और इसमें उपायद्वारा अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम (डॉकू-
मेंट सं० 2717/78) में भागीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 78 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
प्रमाण प्रतिशत से प्रतिशत है और अन्तरक (मन्त्रको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिम्मेदारी में
कृप से करित नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण से हुई किसी आय या बाबा उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर दिये रे अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अन्तरिती में सुविधा के
लिए; और/या

(२) दूसी किसी आय या किसी घर या अन्य आक्षितियों
को जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अनुसन्धान अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्बति के प्रबंधन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्बति के अजंता के प्रबंधन में कोई भी व्यापे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताकरणी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अन्तर्याम 20-क में परिभाषित
है, वहां प्रयोग, जो इस अन्तर्याम में
दिया गया है।

अनुसन्धी

भ्रमी 68, मित्रातूर हामलेड वेस्मपाल्यम ग्राम
(डॉकूमेंट सं० 2717/78)

राधा बालकृष्ण
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-II, मद्रास

अतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

दिनांक : 10 अगस्त 1979
मोहरः

प्रृष्ठ प्राई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एग० जयरामन

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269थ (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल मनाम

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेत रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निवेदण सं० 8455—प्रतः मुझे राधा बालकृष्ण
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति बिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।प्रौर जिस की सं० टी० एम० वं० 354, 355, 356 सं० 2 रोड़,
है, जो मायूरम से स्थित है (प्रौर इनमें उमावद्व अन्तर्गती में प्रौर
पुर्ण मूल्य में वर्णित है), जिसमें उक्त प्रधीन की वार्ता वाला
मायूरम (इकूमेंट सं० 930/78) में भारतीय रजिस्ट्रीरेटर
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है
प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी व्याय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रौर/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी घन पा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के घनस्तरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रस्तात:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेत के लिए
उपर्याहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के गमनन्ध में कोई भी आज्ञा:—

(क) इस सूचना के गमनन्ध में रहागत ही नारीक से 45
दिन की प्रविधि वालतम्बन्धी उपर्याहियों पर प्रबन्ध को
नारीक से 30 दिन की अवधि, जो वो प्रमित बाद में
मान्यता होगा है, उक्त उपर्याहियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस उपर्याहिय के गमनन्ध को नारीक से 45
दिन के बीच उक्त स्थायर सम्पत्ति में विस्तर
हिसों प्रबन्ध वर्गित द्वारा, प्रयोद्दस्ताकरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तम्:—इष्टमें प्रयुक्त गम्भीं प्रौर उपर्याहिय का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में
दिया गया है।

अनुसूची

मूली श्री निमाण—टी० एम० सं० 354, 355, 356,
वं० 2, कल्नीर तोप, स्ट्रीट, मायूरम।
(इकूमेंट सं० 938/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
गहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजेत रेज-II, मद्रास

दिनांक : 10 अगस्त 1979

मोहर :

प्रधान प्राईंटी० एन० एस०—

(1) श्री टी० एम० आर० मूरती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती महालक्ष्मी

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1979

निदेश सं० 8456—यतः, मूले राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० में अधिक है
ओर जिस की सं० दै, जो सी० 25, कावेरी नगर सितकाठ
ग्राम, मायूरम में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुमूर्ची में ओर
पूर्ण स्तर से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को
पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा ऐसा गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना आरो उक्त पूर्वोक्त प्रतिकृति के अर्बन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
पर्यं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मूलमूर्चों

मूली और निर्माण—सी० 25, कावेरी नगर, सितकाठ ग्राम
(डामेंकूट सं० 939/78)

(छ) ऐसी नितों अत्यं या नितों धर या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबं अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

राधा बालकृष्ण
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः यदि उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा
(1) के अधीन विनियित व्यक्तियों, वर्षातः:—

दिनांक : 10 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०

(1) श्रीमती जनकमा और अदर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० आर० सोमसुन्दरम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

निवेश सं० 6876—पत्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

प्रौर जिसकी सं० 8, योगमबाल स्ट्रीट है, जो मद्रास-17 में स्थित
है (प्रौर इसमें उपांडव अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकूमेंट
सं० 1394/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बत्थ ; कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—8, योगमबाल स्ट्रीट, मद्रास-17
(डाकूमेंट सं० 1394/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० १० एम० एस०—

(1) श्री मुकुमन

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

26०व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री गारू गांविन्दस्वामी

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

श्रेदण सं० 4992—(यनौ, मुझे, गाधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26०व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है।

और जिस को सं० के० एम० स० 502/2 है, जो पक्षिमठे ग्राम में
स्थित है (श्रीग इसमें उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, कोथम्बट्टू (डाकूमेंट स०
2180/78) में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 1978।

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये निवित में वास्तविक रूप से
क्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के व्यक्ति कर देने के प्रत्यक्ष के दावित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के
लिए; और/या

ये, ऐसी किसी था; या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

परत: प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 26०व के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 26०व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त प्राप्ति के प्रत्येक कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि या
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पर से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता है, जो उस अध्याय में दिया गया।

मम्पत्ति

प्रधीनकलचरल भूमो के० एम० स० 502/1, पक्षिमठे ग्रा:
(डाकूमेंट स० 2180/78)

गाधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिका
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अन्तरक रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती मंतोक्षी अम्माल

(अन्तर्गत)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

निवेदन सं० 4992-अतः, मुझे गांधी बालकान
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विष्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपये में प्रधिक है।
 और जिसकी सं० के० एम० सं० 502/1 है, जो पश्चिमठे ग्राम
 में स्थित है (और उसमें उदायद अनुसूची में और पूर्ण स्वरूप में
 वर्णित है), राज्यस्त्राकारी अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर
 (डाकुमेंट सं० 2181/78 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78
 को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विष्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 अनुदृ त्र प्रतिक्रिया से प्रधिक है और प्रत्यरक (अन्तर्गत)
 और प्रत्यरिती (प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरित के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित
 लिखित में वास्तविक रूप में लिखित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरित से ही किसी प्राय को बचन, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
 दायित्व में करने या उससे उन्नते अनुदृ (अन्तर्गत)
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 अन्तरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोगनार्थ अनुरिती हारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपकारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री गोविन्दा स्वामी

(अन्तर्गत)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के
 निम्न कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से
 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तापील ने 30 दिन की प्रवधि, जो भी
 प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीष से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी व्यक्ति द्वारा व्यधोदस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

एग्रिकल वर्ग भूमि:- के० एम० सं० 502/2, पश्चिमठे ग्राम
 (डाकुमेंट सं० 2181/78)

राधा बालकृष्ण
 मक्षम प्राधिकारी;
 सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 17 अगस्त 1979
 मोहर :

प्रक्षेप आई०टी०एन०एस०-----

(1) श्री सुरेणराम भेठ

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 व (1) के अधीन मूल्यन्

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

निदेश सं० 6882—यतः, मध्ये गधा बालकृष्ण
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
 और जिसकी सं० 2, है, जो विजयग्राघवाचारी रोड, मद्रास-17 में
 स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची और पूर्ण स्थाने वर्णित है),
 रजिस्ट्रीर्डीर्ना अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाक्मेट सं०
 1437/78) में भाग्यतीय रजिस्ट्रीर्वण प्रधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 78 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
 के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे पढ़ विश्वास करने का कारण
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है
 और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच
 ऐसे प्रत्यक्षित के लिय तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
 से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
 गया है—

(क) प्रत्यक्षित से दृई हिसी पाय का बाबा। उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) एसा दिया पाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान्वयन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था (एथा, उपराने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में,
 उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

(2) श्रीमनी मणि मलहातग

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्तेरः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रत्यधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रत्यधि, जो भी प्रत्यधि वाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्तान्तरो के पाय मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-के में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उक्त प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमो और निर्माण—2, विजयग्राघवाचारी रोड, मद्रास-17
 (डाक्मेट सं० 1437/78)

राधा बालकृष्ण
 सक्षम प्राधिकारी
 महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 17- अगस्त, 1979
 मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एस० एस०—

(1) श्री मुख्यमन्त्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
296-ष (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री जी० मुख्यमन्त्री

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

निदेश सं० 4993-यतः; मुझे राधा बालकृष्ण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक हैऔर जिसको सं० एस० 494 और एस० 810,
(1/3) है, जो पश्चिमठ ग्राम और नंजुठापुरम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्टा प्राधिकारी
के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2179/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी दाय की वादन 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिस्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए वा, चिपाने
में सुविधा के लिए;प्रत: धर्म, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ष के
उपसरण में, मे, उक्त अधिनियम की घारा 269-ष की
उप-घारा (1) के प्रवीन निम्नलिखित अन्तरिती, वर्णित:—
11-226 GI/79को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरंगेवंशी अविक्षयों पर सूचना
की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में
से किसी अविक्षय द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उल्लेक्षण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो इस प्रधाय
में दिया गया है।

मुख्यमन्त्री

एग्रीकल्चरल भूमि—के० एस० सं० 494 पश्चिमठ ग्राम
और एस० सं० 810, नंजुठापुरम (1/3 योग्य)
(डाकूमेंट सं० 2179/78)राधा बालकृष्ण
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 17 अगस्त 1979

मोहर :

प्रूल आई० टी० एन० एस० ----

(1) श्री मातृयू फिलिपोस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1979

निदेश सं० 6868—यतः, मझे राधा बालकृष्ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 21, है, जो लेठि मादवन नायर रोड, मद्रास-34 में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकूमेंट सं० 1371/78) में भारतीय रजिस्टर करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 78 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रब्लू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रतिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेश से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से रखित नहीं किया गया है।—

(क) अन्वरण से हुई किसी प्राय की बाधत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायन्य में कभी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण 21, लेठि मादवन नायर रोड, मद्रास-34 (डाकूमेंट सं० 1371/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

पनः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
पराम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा
(1) के अधीन भिन्नभिन्न व्यक्तियों, अर्थात् !—

(2) श्रीमती लिल्ली टामस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी घम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निलित में किए जा सकेंगे।

इत्योक्तरगः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दिनांक : 17 अगस्त 1979
मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० 6874—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी

सं० फलाड-ए/19 है, जो आर० एम० सं० 553/6 मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकूमेंट सं० 1341/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम सम्बन्धित 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) पोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थानियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में नैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए(1) की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अथवा:—

(1) कुमारी के० चन्दना

(अन्तरक)

(2) मैसूर सेल्स इन्टरनेशनल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकता द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलाड ए/19, आर० एम० सं० 533/6, (फिफ्ट प्लोर)
(1/24 शेर)
(डाकूमेंट सं० 1341/78)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 18 अगस्त 1979
मोहर :

प्रष्टप प्राई० डी० एन० एस०————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18 अगस्त 1979

निदेश सं० 8458—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी
सं० आर० डी० सं० 24, है, जो पथुठिमने में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पेरलम (डाकूमेंट सं० 1621/78)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिसम्बर 78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का 'उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निवित में
बास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है)।—

(1) श्री पी० एस० बल्लियस्मै

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० उतिरापति

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन
के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यं द्वारा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

(क) प्रस्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

भूमि और निर्माण—पथुठिमने
(डाकूमेंट सं० 1621/78)

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
आया था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के प्रमुखरण
में, ये उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपबात (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अबति:—

दिनांक : 18 अगस्त 1979

मोहर :

प्रधान याई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० बालसुदामनियम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269वा(1) के पद्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 अगस्त 1979

निवेश सं० 8444—यतः, मुझे राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269वा
के पद्धीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है।

और जिस की सं० 99, है, जो पठ्पने में स्थित है (और इससे उपाव-
द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, ताम्बरम (डाकूमेंट सं० 4885/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ आया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख ने उन्न अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त प्रधि-
नियम के पद्धीन कर देने के प्राप्तरक के वायित्व में कभी
हरके या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी अन्न या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269वा की उचिता
(1) के पद्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत ।—

(2) कोरमाडल इनडैय प्राथकडसट्टस (पी) लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोष्टस्ताश्री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रयोग 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
व्याक्षय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निमण-11, पठ्पन ग्राम
(डाकूमेंट सं० 4885/78)

राधा बालकृष्ण
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 18 अगस्त 1979
मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक दिनांक 16 जून 1979

निदेश सं० जीआरजी/दिल्ली/28/78-79—अतः मुझ रवीन्द्र कुमार पठानिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, रोहतक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० ज्वाला टैक्सटाईल मिल्ज है तथा जो रेवन्यू एस्टेट, मुल्ला हेरा तहिं० गुडगांव में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथ्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तुतियों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण में दुई किसी प्राय की बात उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुतियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः प्रबृ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यां, अवार्तु :—

(1) मैमर्ज एस० पी० वरमारी एण्ड सन्झ (प्रा०) लि०
33-शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज हालदिया आरगनिक एण्ड ईस्टर्ड लि०
16-ए, बराबौरन रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरमध्ये पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यां में से किसी अवित्य द्वारा ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वावोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति ज्वाला टैक्सटाईल मिल्ज जो रेवन्यू एस्टेट मुल्ला हेरा तहिं० गुडगांव में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रेशन डीड नं० 576 मेंदी गई है जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दिल्ली के कार्यालय में 27-12-1978 को लिखो गई ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 16 जून 1979 ।

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 31 जुलाई 1979

निदेश सं० बीजीआर/17/78-79—अतः मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० मकान नं० 3-जी/124-25 है तथा जो एन०
आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
बलबगड़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिसंबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाये अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसर
में, मेरे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अन्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती वीरा वाली, पन्नी श्री किरण राम 11/13
वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मर्वशी प्रभ वियाल तथा कृष्ण लाल, पुत्रान श्री ठाकुर
दास, निवासी 3-जी/124-125 एन० आई० टी०,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पाम
निवित में किए जा सकें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 3-जी/ 124-125 एन० आई० टी० फरीदाबाद
तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगड़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक
5263 तथा 5264 तिथि 4-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सकाम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 31 जुलाई 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट डी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ए (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड़ रोहतक
 रोहतक दिनांक 20 अगस्त 1979

निदेश सं० प्र० ८०० डब्ल्यू० एन०/९/७८-७९—ग्रतः मुझे
 रवीन्द्र कुमार पठानिया,
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिस की सं० प्लाट रक्का 1100 वर्गगज सहित चार दीवारी
 है तथा जो पी० डब्ल्यू० डी० रेस्ट हाउस के पास, नरवाना में स्थित
 है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरवाना में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
 दिसम्बर, 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
 दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अस्तरक (अस्तरकों) प्रौढ़ अस्तरिती (अस्तरितियों), के बीच
 ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
 नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
 सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2 वष की उपरान्त (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन रेंज, रोहतक

1. (1) श्री तिलक राज पुत्र श्री माम राज
 (2) श्री तारा चन्द्र पुत्र श्री माम राज
 (3) श्री रमेश कुमार पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण
 (4) श्री जगदीश पुत्र श्री राम नारायण
 (5) श्री राज कुमार पुत्र श्री राम नारायण
 (6) श्री वीपत राम पुत्र श्री राम नारायण
 निवासी नरवाना, जिला रोहतक।

(अन्तरक)

2. मर्वश्री ओम प्रकाश, भले राम वाम देव, तथा मोहन
 लाल, पुत्रान श्री श्री राम, मार्फत फर्म परस राम
 श्री राम मंडी नरवाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि एक प्लाट रक्का 1100 वर्गगज है तथा जोकि
 पी० डब्ल्यू० डी० रेस्ट हाउस के पास है तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता
 नरवाना के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1622 दिनांक
 22-12-1978 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 20 अगस्त 1979
 मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 21 जुलाई 1979

निर्देश सं० १० पी० एम० १९२७—अतः मुझे
बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जेमाकि अनुसूची में है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह हजार रुपयोगी से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ज्ञात लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसारण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा को उपधारा (1) अधीन अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र बसंत सिंह मुख्तियार आम प्रभजीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह 302 माडल टाउन जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अमर जीत कौर पत्नी सुरजीत सिंह 198 माडल टाउन जलन्धर

(अन्तरिती)

(3) जसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पाल्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6503 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया

सभी प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 21 जुलाई 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 3 अगस्त 1979

निदेश सं० ए० पी० 1928—यतः, मुझे, बी० ए० सं० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि इथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रनारण के निए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भक्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य वासिताओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बहु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलब्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

(1) श्री विजय कुमार पुत्र विहारी लाल (सूद) और
मुश्किलयार आम श्रीमती नीशी गुप्ता की पत्नी विजय
कुमार तरनतारन।

(अन्तरक)

(2) श्री सैहंबी इन्डस्ट्रीज 117 अमन नगर जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधान के
लिए कार्रवाहिया करता हूँ।

इस सम्पत्ति के प्रधान के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अत्रिविवाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इन्द्रियकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6520 विसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० ए० सं० दहिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 3 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1979

निवेश नं० १० पी० १९२९—यतः मुझे बी० एस० दहिया प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुमूली में है, तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायिक में कभी करने या उससे वस्त्र में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन्ताकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरूप में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

(1) श्री उपिन्द्र सिंह पुत्र जसवन्त सिंह पुराना जवाहर नगर, जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बलजीत कौर पत्नी निरमल सिंह गांव भानक देरी तहसील होशियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

जैसा कि विनेख सं० 6314 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 6 अगस्त 1979

मोहर:

प्रधन पाई० ई० एन० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1979

नियंत्रण नं० ए० पी० 1930—यतः मुझे वी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है') की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में मैं और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्रिया के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(6) अन्तरण से तुझे किसी आदि की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदले में सुविधा के लिए; और/या

(7) देती किसी आदि या किसी घटना या अन्य पास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

(1) श्री निरंजन सिंह पुत्र उदय सिंह बस्ती गुंजा जलन्धर (अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री लाल सिंह पुत्र बुध सिंह
2. करतार कौर पल्ली लाल सिंह
3. गुरदीप सिंह पुत्र लाल सिंह
4. निरमल सिंह, 5. गुरबचन सिंह, 6. रजिन्द्रपाल सिंह पुत्र लाल सिंह बस्ती शेख जलन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह भूचना जारी रहके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन भूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वावोहनणः—इनमें युक्त गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6261 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

दिनांक: 6 अगस्त 1979
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी•एन•एस•—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1979

निवेदन नं० ए० पी० 1931-यतः मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारों ना, यू० विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से प्रतिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृथमान प्रतिफल से, ऐसे वृथमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रन्ति से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और
प्रन्तरिती (प्रन्तरितियाँ) के बोत्र ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तेष्ठ से उक्त अन्तरण लिखित में
घास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से दृढ़ जिसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अस्त्र आस्तियों
को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपशासा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दासोदा जिह पुत्र नथा सिंह कलीयां वाले; तहसील
जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्री जावर सिंह, रेशम मिह, बचन सिंह, मरवन सिंह
बब्बशीण सिंह पुत्र पूरन सिंह गांव राजाव तहसील
जलन्धर।

(अन्तरितः)

(3) जैमा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्यंते के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजवत ने प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमें स्वीकृति के पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजवत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 6056 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० ए० दहिया
मध्यम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जलन्धर

दिनांक : 6 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एम०
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1979

निदेश नं० ए० पी० 1932—यतः मुझे बी० एस० दहिया प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में है। तथा जो जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(६) प्रधारा ३ द्वारा लियी पाय को बाबा उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(७) ऐसो किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने या सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष(1) की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्ता सोनी पत्नी ज्ञान चन्द सोनी 363 लाजपत नगर जलन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी भूपिन्द्र सिंह 407 आवर्ण नगर जलन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर नं० २ में है।

(वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो अक्षित सम्पत्ति में सचि रखता है।

(वह अक्षित, जिनके बारे में प्रधीहस्ताधारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर अनुसूची की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6262 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज जलन्धर

दिनांक : 8 अगस्त, 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस. ----

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन मूलना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 अगस्त 1979

निदेण नं० ए० पी० 1933—यतः मुझ, बी० ए० म० दहिया
श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ब्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भोगपुर तहसील जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1978

को पूर्खोंत मृप्ति के उचित बाजार मूल्य में कम रु. दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरूपता की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिरूप निम्नालिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण विवित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण ये हुई निमों प्राप्त का बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;

भोगपुर

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या ग्रन्त्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगतार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिं था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के ग्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के ग्रधीन निम्ननिवित अधिनियमों, अर्थात्:—

(1) अशोक राईस एण्ड जनरल मिल्ज भोगपुर, राहीं श्री महिन्द्रपाल और आशा बाबूता सी-81 अक्स्टैनशन-न्यू देहली-49।

(अन्तरक)

(2) श्री मनदा राईस एण्ड जनरल मिल्ज भोगपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूलना आरो रुट पूर्वोंत सम्पत्ति के प्रबंधन के लिये कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई सी ग्राहणेः—

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील हो 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बमात्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा ग्राहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योग:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रबंध होगा जो उस प्रधाय में दिया जवा है।

मनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 6535 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

श्री० ए० दहिया
मक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 8 अगस्त 1979

मोहर :

रूप प्राईंटी. एन. एन.

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत बहार

कार्यालय, सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1979

निदेश नं. प्र. पी. 1934-यतः मुझे अंगूष्ठी ५८०
दहिया

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसने पहचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-व्य के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवाह स
हरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
पूँजी 25,000/- रु. में अधिक है।

और जिस की सं. जैसा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिय के लिए प्रस्तुति की गई है और मूले यह विवाह करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिक्रिय, निम्नलिखित चर्चेय से उक्त सम्पत्ति
निवित में बास्तविक काम से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में ही हरने या उसपर बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय पा किसी छन या अन्य पास्तियों
को बिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रश्नोज्ञात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, प्रध उक्त प्रधिनियम की भारा 269 अ के अनुसरण
में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269 अ की उपधारा (1) के
प्रधीन निम्नलिखित अधिकारों, अवृत :—

(1) श्रामिकों संतोष कुमारी पत्नी मदन लाल डेल्लू जे-113
बमंती गुजां, जलन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार, बिश्मवर लाल पुत्र शांति लाल 32,
न्यू विजय नगर जलन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं. 2 में है
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शक्ति रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

सो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहक के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के विवरण में लोई भा. भाजेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि वा तसम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और
भी प्रवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारों में से किसी अधिक द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रधाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रचंड होगा जो उस प्रधाय में दिया गया
है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं. 6270 दिसम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

श्री० एम० दहिया
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

दिनांक : 9 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 57 रामनीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई 1979

निदेश नं० एम० 173/अर्जन 79—अतः मुझे अमर सिह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 104/ई-II है तथा जो सौ० फैजगंज मुफ्ती टोला
में स्थित है, (और इसमें उपाबड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
23-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार रूप, उससे दृश्यमान प्रतिक्रिया में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिक्रिया का पञ्चवृत्त प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उचितात्मा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात्:—

13—226GI/79

(1) श्री सैन्धव मुस्तका व शन्य

(ग्रन्तरक)

(2) फर्म स्टैन्डर्ड एलेक्ट्रोप्लेटिंग

(अन्तरिती)

(3) श्री हाफिज भोहमद इसरक

(वह अक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभी वर्णन की जाएगी
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 298.86
वर्गमीटर है और जो मोहल्ला फैजगंज (मुफ्ती टोला) जिला
मुरादाबाद में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण
जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 5313 में वर्णित है और
जो दोनों सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक
23-12-78 को दर्ज है।

अमर. मिहि बिसेन,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 1 मई 1979

मोहर :

प्र० प्र० याई० टी० एन० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 57 रामतोंथ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मई 1979

निवेदन नं० जैड/3 अर्जन/79—अतः मुझे अमर मिह विसेन मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

आ० अ० जिम की म० है तथा जो मोहल्ला समझी दरवाजा मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अंतर्गत अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-12-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यापक रूप से किया तरीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, तिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) श्री प्यारे

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती जाहिदा बेगम उर्फ मलमा बेगम

(अन्तरिती)

को इस सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी मन्त्र अवित्य द्वारा, प्रशोदसाम्नीरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसे गुप्त ग्रन्थ प्र० रा० न०, जा० उ०।
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधा

एक किता मकान जो कि मोहल्ला संभल दरवाजा मुरादाबाद में स्थित है व समातिका वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी नं० 5344 तथा सेलडीड में वर्णित है और जो सब रजिस्टर मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-12-78 को दर्ज है।

अमर निह विसेन
सकाम प्राधिकारी,
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण),
सकाम प्राधिकारी

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 15 मई 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ईंट एस्टेंट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अगस्त 1979

निदेश नं० जी-38/एक्यू०/79-80—प्रतः मुझे अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पासात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० को० नं० 24 भी है तथा जो रामपुरबाग बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-12-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तररण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तररण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रस्तावक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269वाँ की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्री रामनाथ अग्रवाल

(अन्तरक)

(2) श्री गंगा महाय मोदी, शशिकान्त मोदी

(अन्तरिती)

(3) श्री रामनाथ अग्रवाल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रधीन के लिए कायाक्रियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को नामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

सम्बोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिमाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्यों

कोठी नं० 24-भी रामपुरबाग बरेली व ममता का वह मब विवरण जो सेलडीघ व फार्म 37-जी संख्या 5935 में वर्णित है जो दोनों सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 15-12-78 को पंजीकृत है।

अमर सिंह बिसेन,

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज लखनऊ

दिनांक : 2 अगस्त 1979

मोहर :

प्रस्तुति ग्राही टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 अगस्त 1979

निदेश नं० आर-134/एष्यू/79-80—अतः मुझे अमर मिह
विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रतीर प्रत्येक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है यह स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है, से अधिक है

और जिस की सं० है तथा जो नया बाजार हल्दानी
नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दानी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 18-12-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (असरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी रिंगो दाव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हाजी नवी अहमद

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र कुमार, वीरेन्द्र कुमार व संवोध कुमार

(अन्तरिती)

(3) खुद

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अधिकतम

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना कर्यो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अन्तिमियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अन्तिमियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटो निराग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान दो मंजिला वाके नया बाजार हल्दानी नैनीताल
व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फा० सं० 37-जी में संख्या
2636 वर्ष 1978 में व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार
हल्दानी के कार्यालय में दिनांक 18-12-78 को पंजीकृत हुए
हैं।

अमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक : 2 अगस्त 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती करुणेश कुमारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती कामनी खन्ना पत्नी देवेन्द्रनाथ खन्ना, अनिल
कुमार खन्ना, नौरज खन्ना

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथनं रेज 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

(3) उपरोक्त विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

लखनऊ, दिनांक 20 अगस्त 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निदेश नं० के-88/ग्रंथन—अतः मुझे, अमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन प्रत्येक 'उक्त अधिनियम' को, यह विश्वास करने का कारण
है नि-प्रावर न्यायि, विषय उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है।

और जिस की सं० मकान दो मंजिला है तथा जो मिविल लाइन
मुरादाबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
5-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का फारंग है कि यह वशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और प्रत्यक्षितों (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित
लिखित में गान्धीन रूप से वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के
रायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षितों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(इ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी प्रत्यक्षित द्वारा, प्रशोहस्ताशी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लाइटी हार्ट:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(ख) ऐसी छिपी धार्य या छिपी बन या ग्रन्थ आस्तियों
को जिन्हें भारीप आयकर प्रविनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

एक किता मकान पुखता दो मंजिला व सदर दरवाजा
उत्तर रुद्धी तादादी 109.67 वर्ग मीटर वाके सिविल लाइन
मुरादाबाद व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेलडीडी व फार्म
37-जी में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय
में दिनांक 5-1-79 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अनुसूची

अमर सिंह विसेन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेज लखनऊ

दिनांक : 20 अगस्त 1979

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्षितों अवर्ति :—

प्रस्प आई० टी० एन० एस०—

पायकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III,

४/१४क, आसफ़अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक २० अगस्त १९७९

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/८-७९/३७८—
मत: मुझे, डी० पी० गोयल,

प्रायकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पी० २३ है तथा जो मालवीय नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन तारीख ११-१-१९७९ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तारकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

मत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा २६९-घ के अनुसरण में, मैं, सक्त प्रधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवत् :—

१. श्रीमती पदम वती शर्मा, २४-के० ओ०, हाउसर्सिंग सोसाईटी, एन० डी० एस० ई० पाट्ट-१, नई दिल्ली (अन्तरक)

२. श्री लक्ष्मी नारायण ढीगरा, पी० २३, मालवीय नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० पी० २३ जोकि २४३ वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, मालवीय नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० २२

पश्चिम—मकान नं० २४

उत्तर—मैन रोड तथा धास वाला प्लाट

दक्षिण—सर्विस लेन

डी० पी० गोयल

सभी प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख २०-८-१९७९

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th July 1979

No. A.19014/1/78-Admn.I.—Kumari Jyoti Pande, an officer of Indian Administrative Service and Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, relinquished charge of the post of Under Secretary in this office with effect from the forenoon of 28th July, 1979.

The services of Km. Jyoti Pande are placed at the disposal of Department of Rural Development, New Delhi.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th August 1979

No. 35018/13/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri V. C. Banerjee Sub-Inspector of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Jaipur Branch in a temporary capacity, with effect from the afternoon of 13-7-79 until further orders.

Q. L. GROVER,
Adm. Officer (E)/CBI

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 11th August 1979

No. O.II-1103/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service Shri Amar Singh relinquished charge of the post of Dy. SP, 48 Bn. CRPF, on the afternoon of 31-7-79.

No. O.II-1437/79-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Umarani Narzary as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 20-7-79 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 16th August 1979

No. O.II-1045/75-Estt.—The Director General, Central Reserve Police Force is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer with effect from the forenoon of 7th July, 1979 for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Asstt. Dir. (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 17th August 1979

No. E-16013(2)/4/75-Pers.—On repatriation to the State Cadre, Shri R. Chongthu, IPS (Assam-1962) relinquished the charge of the post of Asstt. Inspector General (E/Z), Calcutta, w.e.f. the afternoon of 25th June 1979.

No. E-16016/20/76-Pers.—On repatriation to the State Cadre Dr. (Mrs.) V. Joya, relinquished the charge of the post of Asstt. Surgeon Gd-I, CISF Training College, Hyderabad w.e.f. the afternoon of 2nd July 1979.

No. E-16013(1)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri A. Ghatak, IPS (WB-59) assumed the charge of the post of Dy. Inspector General (E&Z), CISF, Calcutta w.e.f. the forenoon of 9th July 1979.

No. E-16013(1)/1/79-Pers.—On transfer on deputation Shri V. P. Kapur, IPS (UP-61), assumed the charge of the post of

Dy. Inspector-General/CISF, Durgapur Steel Plant, Durgapur Durgapur with effect from the forenoon of 6th July 1979 while on Camp at New Delhi.

S. NATH,
Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 18th August 1979

No. 10/23/78-Ad.I-16747.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. B. Koppad, an Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Research Officer (Social Studies), as a direct recruit, on a regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Registrar General, India, with effect from the forenoon of 4 August, 1979, until further orders.

His headquarters will be at New Delhi.

P. PADMANABHA,
Registrar Genl., India

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 13th August 1979

No. PD/27/5944.—Further to this office notification No. PD/27/7706, dated 4-12-78 Shri R. G. Kulthe is allowed to continue to officiate in the post of Assistant Works Manager (Mould Cover Making Plant) on adhoc basis for a further period of six months with effect from 27-5-1979 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

O. P. SHARMA,
Project Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL
REVENUE

New Delhi-2, the 16th August 1979

No. Admin.I/O.O.225/5/5/Promotion/79-80/965.—The Director of Audit, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Audit Officers, with effect from the forenoon of 30th July, 1979, until further orders :—

SI No. and Name
S/Shri
1. R. N. Sharma
2. Ranjit Singh Joshi
3. S. L. Gupta
4. S. K. Roy
5. S. P. Khanna.

Sd. ILLEGIBLE
Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ORISSA

Bhubaneswar, the 8th August 1979

No. Admn-IAD-1-29(Con)-1784.—The Accountant General has been pleased to appoint substantively the following officiating Accounts Officers of this office in the cadre of Accounts Officers with effect from 1-4-78.

1. Sri M. S. Raju
2. Sri R. R. Dasgupta
3. Sri B. Rajagopal
4. Sri H. S. Murty

K. P. VENKATESWARAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn)

**OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE
SERVICES**

New Delhi, the 18th August 1979

No. 2497/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officer until further orders, in the offices and from the dates shown against each :

Sl. No., Name, Office in which appointed and Date

S/Shri

1. S. Rangan, Jt. Director of Audit, Defence Services, S.C. Poona, 26-7-79.
2. M. Natarajan, Dy. Director of Audit (OF) Calcutta, 30-7-79.

A. P. SINHA
Jt. Director of Audit

**(DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT)
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS**

New Delhi-110 022, the 8th August 1979

No. 4741/AN-I.—The President is pleased to appoint Shri B. M. Prabhu, an officer of the Level I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 2nd August 1979, until further orders.

R. L. BAKSHI
Addl. Controller Genl. of Defence Accounts (AN)

**MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
D.G.O.F. HQRS CIVIL SERVICES SCHEME**

Calcutta, the 8th August 1979

No. 13/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Adhar Ch. Mondal, Offg. Asstt., to Offg. Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), without effect on seniority in an existing vacancy, from 2-7-79 until further orders.

No. 14/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals in Offg. capacity on ad-hoc basis in existing vacancies, in grades and on dates shown against each :

1. Shri Nityananda Chakraborty, Permt. Asstt. Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) 3 months from 2-7-79 or till U.P.S.C. appointees are posted whichever is earlier.
2. Smt. Lila Das, Permt. Asstt. Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) 3 months from 2-7-79 or till U.P.S.C. appointees are posted whichever is earlier.

D. P. CHAKRABARTY
ADG/Admn.

for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-700016, the 10th August 1979

No. 38/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri M. Sahai Offg ADGOF Gr.II/ Subst. D Permt Sr. DADGOF retired from service wef 30th June, 1979 (AN).

The 14th August 1979

No. 39/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Shiva Prasad Offg GM(SG)Level I/Subst. & Permt General Manager Grade I retired from service wef 31-7-79 (AN).

V. K. MEHTA
Asstt. Dir. Genl., Ordnance Factories

**MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE
SERVICE AND LABOUR INSTITUTES**

Bombay-400 022, the 4th August 1979

No. 15/9/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institute, Bombay is pleased to appoint Shri Rohit Dhiraj Kumar Halabhai as Inspector (Artist and Layout Expert) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th July, 1979, until further orders.

A. K. CHAKRABARTY
Director General

**MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION**

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

**OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS**

New Delhi, the 17th August 1979

**IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)**

No. 6/1308/79-Admn(G)/6159.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Tewari, I.A.S. (AM 1973) to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, (C.I.A.), New Delhi with effect from the 7th July 1979 (FN) until further orders.

C. VENKATARAMAN
Chief Controller of Imports and Exports

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 17th August 1979

No. A-17011/69/77-A6.—Consequent on acceptance of his resignation from Government service Shri Dharm Prakash relinquished the charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group A Engg. Branch) in the office of Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi under this Dte. wef 24-7-79 (AN).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 13th August 1979

No. 19012(99)/77-Estt.A.—Shri Shyamji Singh, Permanent STA is promoted to officiate as ARO (OD) in this department on regular basis with effect from the forenoon of 2-7-1979, until further orders.

No. A.19012(113)/79-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri M. G. Aurangabdkar, Senior Technical Assistant (S) is promoted to the post of Mineral Officer (Stat.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25-5-79, until further orders.

No. A.19012(114)/79-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri K. Y. Kapale, Officiating Senior Technical Assistant (Ore-Dressing) is promoted to the post of Assistant Research Officer, (O.D.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 14-6-79 (Forenoon) until further orders.

No. A.19012(116)/79-Estt.A.Vol.I.—Shri H. V. Satyan, Senior Technical Assistant (Geo) is promoted to officiate to the post of Assistant Mining Geologist in Group 'B' post in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 11-6-1979, until further orders.

S. BALAGOPAL
Head of Office

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 17th August 1979

No. A.19012(1-VR)/78-19A-5039B.—Shri Vikram Rai is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th June, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 18th August 1979

No. C-5538/817-A.—Shri Ram Lal, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from 25th June, 1979 (FN) vice Shri N. R. Bosc, Establishment and Accounts Officer transferred to the Director, Central Circle, Jabalpur.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 9th August 1979

No. 5/4/62-Fst.I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay has appointed Shri V. P. Parmar, Permanent Cameraman, Films Division, Bombay to officiate as Newsreel Officer in the Films Division, at Lucknow with effect from the forenoon of the 11-7-1979 until further orders.

N. N. SHARMA
Asstt. Admn. Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th August 1979

No. A.19019/48/77-CGHS-I—Consequent upon her transfer from CGHS Meerut to CGHS Delhi, Dr. (Mrs.) Uma Gupta, Homoeopathic Physician relinquished charge of the post of the Homoeopathic Physician under CGHS Meerut with effect from the afternoon of 17th January, 1979 and assumed charge of the post of the Homoeopathic Physician under CGHS Delhi with effect from the forenoon of 18th January 1979.

N. N. GHOSH
Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi-11, the 10th August 1979

No. 6-28/78-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Sharma in a substantive capacity in the post of Biochemist in the Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from 7th January, 1977.

14—226GT/79

The 13th August 1979

No. A.12025/16/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. P. S. Solanki to the post of Clinical Psychologist at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of 21st July, 1979, in an officiating capacity and until further orders.

(STORES I SECTION)

The 17th August 1979

No. A.19011/1/79-SI.—The President is pleased to appoint Shri M. V. Ramana, in the post of the Depot Manager in the Government Medical Store Depot, Hyderabad with effect from the forenoon of the 3rd July, 1979 on a temporary basis and until further orders.

The 20th August 1979

No. A.12026/12/79(NMPE) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Bhatnagar, Assistant Director (Entomology), National Institute of Communicable Diseases, Delhi to the post of Central Coordinating Officer, National Malaria Eradication Programme, on ad hoc basis, with effect from the forenoon of the 12-6-79 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Central Coordinating Officer, National Malaria Eradication Programme Shri V. N. Bhatnagar relinquished charge of the post of Assistant Director (Ent) National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the afternoon of 11th June, 1979.

S. L. KUTHIALA,
Dy. Director (Admn.)
(O & M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 18th August 1979

No. A.19023/8/79-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri V. K. Verma, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Nagpur in the forenoon of 12-7-79, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer, Shri Verma relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer at Varanasi in the afternoon of 9-1-79.

The 21st August 1979

No. A.19023/7/79-A.III.—Consequent on his selection to the post of Assistant Director (S & R) in the Indian Grain Storage Institute, Hyderabad, under the Department of Food, Shri H. C. Sirka, Marketing Officer, Madras, relinquished charge of his post under this Directorate in the afternoon of 31-7-79.

B. L. MANIWAR,
Director of Administration.
for Agricultural Marketing Adviser.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th August 1979

No. A.32013/6/76-ES.—In continuation of this office Notification No. A.32013/6/76-ES, dated 8-3-1979, the President is pleased to extend the ad-hoc appointments of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector upto 31-12-1979 or till regular appointments to the grade are made whichever is earlier :—

1. Shri Anupam Bagchi
2. Shri S. Majumdar
3. Shri H. M. Phull
4. Shri L. A. Mahalingam.

5. Shri D. P. Ghosh
 6. Shri L. M. Mathur
 7. Shri R. N. Sastry

No. A.38012/2/79-ES.—Shri B. R. Sharma, Deputy Director Aeronautical Inspection, Civil Aviation Department, New Delhi relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st July, 1979 on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANPUR,
 Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 7th August 1979

No. A.32013/17/78-EA.—The President has been pleased to appoint the following Asstt. Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, with effect from the date mentioned against their names, for a period of six months or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Station	Date
1.	Shri Kaviraj Singh	ASO(ATC) Hdqrs., 28-4-79 AN.	
2.	Shri J. S. R. K. Sharma	Madras, 6-4-79.	
3.	Shri Amir Chand	Gwalior, 6-4-79.	
4.	Shri H. D. Lal	Bhopal, 14-5-79.	
5.	Shri G. B. Bansal	Rajkot, 30-6-79.	
6.	Shri C. N. S. Moorthy	Madras, 6-4-79.	
7.	Shri A. N. Mathur	Kumbhirgram, 30-4-79.	
8.	Shri P. K. Khanna	Dum Dum, 2-5-79.	
9.	Shri G. N. Moorthy	Madras, 4-4-79.	
10.	Shri P. B. Deswani	AO (P) Hdqrs., 15-5-79.	
11.	Shri K. P. S. Nair	Madras, 6-4-79.	
12.	Shri A. K. Jha	North Lakhimpur, 15-7-79.	
13.	Shri S. J. Singh	Palam, 2-4-79 AN.	
14.	Shri S. K. Vora	Santacruz, 5-4-79.	
15.	Shri Vinod Kr. Yadav	Santactuz, 2-5-79.	
16.	Shri Daljit Singh	Palam, 11-7-79.	
17.	Shri D. D. Vuthoo	Srinagar, 10-7-79 AN.	
18.	Shri K. K. Mehrotra	Dum Dum, 2-5-79.	

The 13th August 1979

No. A-38013/1/79-EA.—The following officers retired from Government Service on the 31st July, 1979 AN on attaining the age of superannuation.

1. Shri P. C. Verghese, Sr. Aerodrome Officer, Begumpet.
 2. Shri C. V. Joseph, Asstt. Aerodrome Officer, Madurai.

No. A-32014/2/79-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Asstt. Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, with effect from the 28th July, 1979 AN and upto the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Calcutta Airport, Dum Dum.

1. Shri A. C. Sarkar.—31-3-1980 AN.
 2. Shri S. D. Sinha.—31-1-1980 AN.
 3. Shri S. R. Das Sharma.—31-3-1980 AN.

V. V. JOHRI,
 Asstt. Director of Administration.

New Delhi, the 13th August 1979

No. A.38012/1/79-EC.—Shri R. R. Sharma, Asstt. Technical Officer in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi relinquished charge of his office on the 30-6-79 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

GIRDHAR GOPAL,
 Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 20th August 1979

No. 1/78/79-EST.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri D. M. Wankhedkar, Officiating Superintendent, Headquarters Office, Bombay, as Assistant Administrator, in an officiating capacity, in the same office, with effect from the forenoon of the 2nd July, 1979, and until further orders.

No. 1/225/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Balasubramanian, officiating Technical Assistant, Madras Branch, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in Arvi Branch, with effect from the forenoon of the 12th May, 1979 and until further orders.

H. L. MALHOTRA,
 Dy. Director (Admn.)
 for Director General.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

CORRIGENDUM

Gwalior, the 17th August 1979

No. 1060/BSY/2733.—Notifications in the matter of the Companies Act 1956, was published in the Gazette of India dt. 16-6-79 No. 24 Part III Section I at page 4696 of English In Place of "Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956" kindly read Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act 1956 with following case :—

1. No. 1029/R/1023 M/s Supreme Steel Casting Private Limited.
2. No. 1060/R/961 M/s Egg Products (India) Private Limited.
3. No. 1090/R/1115 M/s Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited.

S. K. SAXENA.
 Registrar of Companies.
 Madhya Pradesh, Gwalior.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Anand High Speed Steels Private Limited

Jullundur, the 1st August 1979

No. G/Stat/560/2768/3945.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Anand High Speed Steels Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. D. TAYAL
 Registrar of Companies
 Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
 Pravati Private Limited

Cuttack, the 27th August 1979

No. SO-451-2077(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pravati Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Orissa Retail Dealers Associations Limited*

Cuttack, the 7th August 1979

No. 50/508/2075(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Orissa Retail Dealers Associations Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Movers Savings and Finance Company Private Limited*

Cuttack, the 7th August 1979

No. 30/729/2081(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Movers Savings and Finance Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Panposh Financial Chit Fund Private Limited*

Cuttack, the 7th August 1979

No. 30/590/2079(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Panposh Financial Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Husaini Silk & Art Silk Power owners Assn (Bombay)
Limited*

Bombay, the 25th July 1979

No. 9832/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Husaini Silk & Art Silk Power owners Assn. (Bombay), Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956
In the matter of M/s Faridabad Glass Works Pvt. Limited*

New Delhi, the 7th August 1979

No. Co. Lign 2469/17891.—By an order dated the 19th October 1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Faridabad Glass Works Private Limited has been ordered to be wound up.

C. R. MEHTA
Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Delhi Medicine Syndicate Private Limited*

New Delhi, the 13th August 1979

No. 603/13526.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Delhi Medicine Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

MINISTRY OF LABOUR
LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 1st September 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960-100 increased by eight points to reach 353 (three hundred and fifty three) during the month of July, 1979. Converted to base 1949-100 the index for the month of July, 1979 works out to 429 (four hundred and twenty nine).

R. N. MUKHERJEE,
Assistant Director,
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF REVENUE AND INSURANCE)

INCOME TAX DEPARTMENT

Bombay, the 19th March 1979

No. R.18/78-79.—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient in the Public interest to publish the names and other particulars relating to the assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed during the period from 1-4-1977 to 31-3-1978 :

- (a) for concealment of income or for furnishing estimates of advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue,
- (b) for failure to file returns of income or for late filing thereof or for failure to produce books of accounts,
- (c) for non-payment of tax;

and has therefore, in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), directed that the names and other particulars of the assessees aforesaid be published, the same are hereby published in Schedules III and III, hereto annexed, indicating (i) Status 'I' for Individual, 'URF' for Un-Registered firm, (ii) Assessment year and (iii) Amount of penalty imposed :—

SCHEDULE-I : Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for concealment of income or for furnishing estimates of Advance-tax payable by them which they knew or had reasons to believe to be untrue during the period from 1-4-1977 to 31-3-1978, where no appeal before Income-tax Appellate Tribunal/Revision petition before Commissioner of Income-tax/Application before Settlement Commission, was presented within the time allowed for the same or where the appeal/Revision petition/Application against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

1. M/s. Parijat Film, 5, Fatima Manil, TPS-III, 26th Road, Bandra, Bombay. (i) URF, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 6,490. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 6,785. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 6,785.

SCHEDULE-II : Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for failure to file returns of income or for the filing thereof or for failure to produce books of accounts during the period from 1-4-1977 to 31-3-1978, where no appeal before Income-tax Appellate Tribunal/Revision petition before Commissioner of Income-tax/Application before Settlement Commission, was presented within the time allowed for the same or where the Appeal/Revision Petition/Application against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

1. M/s. Parijat Film, 5, Fatima Manil, TPS-III, 26th Road, Bandra, Bombay. (i) URF, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 43,265. (ii) 1972-73, (iii) Rs. 45,232. (ii) 1973-74, (iii) Rs. 45,232.

SCHEDULE-III : Assessee on whom a penalty of not less than Rs. 5,000/- was imposed for non-payment of tax during the period from 1-4-1977 to 31-3-1978, where no Appeal before Income-tax Appellate Tribunal/Revision petition before Commissioner of Income-tax/Application before Settlement Commission, was presented within the time allowed for the same or where the Appeal/Revision petition/Application against the penalty imposed has been filed, the matter has become final.

1. Shri Rupani J. B., Kailash Mansion, Tilak Road, Ghatsopar(E), Bombay. (i) I, (ii) 1972-73, (iii) Rs. 9,907.

S. S. KAPUR
Commissioner of Income-tax,
(Central-I), Bombay

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI**

New Delhi, the 20th August 1979

Ref. No. IAC/Acq.III/8-79/377.—Whereas, I. D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-37A, situated at Green Park Market New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Waryam Singh S/o S. Baga Singh & Smt. Kulwant Kaur D/o Baga Singh R/o K-12, Green Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar and Sunil Kumar sons of Shri Babu Lal Jain R/o 18, Kucha Chaudhry, Chandni Chowk Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property built on plot No. 37A in block No. "S" in Green Park Colony, situated on the Mehrauli Road New Delhi bounded as under :—

North—No. S-37

South—S-38

East—Lawn

West—Service Lane

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.
Delhi/New Delhi.

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Shri Om Prakash Verma & Sh. S. P. Singh sons of
Shri Har Narain of 15A/35 W.E.A. Karol Bagh
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sowarn Kumari Anand D/o Banarsi Dass
Kohli wife of Prem Nath Anand and as Gardian of
minor son Rakesh Kumar R/o No. 6090 Block 2
Gali No. 1, Padam Singh Road, Dev Nagar, Karol
Bagh New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III

NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/376.—Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15A/33, situated at Nai Wala Karol Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at New Delhi on 6-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2329/6075 and 830/6075 respectively, shares in property No. XVI/10459 area total 267 sq. yds. Khewat No. 1, Khaluni No. 1172 in Naiwala Jammabandi 1974-75 W.E.A. Karol Bagh New Delhi with 2½ storeyed building and bounded as under :—

East—Plot No. 15A/34 and property No. 10460
West—Plot No. 15A/32 and property No. 10458
North—Street
South—Street

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III.
Delhi/New Delhi.

Date : 20-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
 NEW DELHI

New Delhi, the 20th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/375.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 15A/33, situated at Naiwala Karol Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gian Chand & Ved Prakash sons of Shri Har Narain R/o 15A/35, W.E.A, Karol Bagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sowari Kumari Anand D/o Banarsi Dass Kohli wife of Shri Prem Nath Anand and as guardian of minor son Rakesh Kumar R/o No. 6090 Block 2, Gali No. 1, Padam Singh Road, Dev Nagar Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1458/6075 and 1458/6075 each, share held in property XVI/10459, area total 267 sq. yds. Khewat No. 1, Khatuni No. 1172 in Naiwala Jammabandi 1974-75, W.E.A, Karol Bagh New Delhi with 2½ storeyed building and bounded as under :—

East—Plot No. 15A/34 and property No. 10460

West—Plot No. 15A/32 and property No. 10458

North—Street

South—Street

D. P. GOYAL,
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range III.
 Delhi/New Delhi.

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Uttam Kaur Wd/o Sh. Nand Singh R/o 18/8, W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/374.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 8 Block No. 18 situated at Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Chander Mohan Gupta S/o Gangadin Gupta R/o 2397, Hardhian Singhi Road, Karol Bagh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. XVI/10002, built on lease hold plot No. 8, in Block 18, measuring 240 sq. yds. vide Khasra No. 775/767, situated in the abadi of Western Extension Area, Karol Bagh New Delhi and bounded as under :—

North—Road
South—Gali
East—Gali
West—Property, built on plot No. 7

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Chaman Lal S/o Pt. Nathu Ram R/o S-38, Janta Market Rajouri Garden New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/373.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-38, situated at Janta Market, Rajouri Garden area of Vill. Tatarpur Delhi State Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 14-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop-cum-residential house on Plot No. S-38, measuring 200 sq. yds. at Janta Market, Rajouri Garden, area of village Tatarpur Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM TTNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/372—Whereas, I. D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and heating No. 15/210, situated at Malviya Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 13-12-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—226G/79

(1) Shri Abnashi Ram son of Shri Ram Chand through Shri Hardwarilal Gupta son of Shri Chhote Lal Gupta R/o 15/210, Malviya Nagar New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sushila Devi W/o Shri Hardwari Lal Gupta R/o 15/210, Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15/210 measuring 72 sq. yds. situated in Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Janki Devi W/o Late Dr. Diwan Chand Virmani R/o S-18, Greater Kailash New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III-8-79/371.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 60 Block No. 6 situated at W.E.A. Karol Bagh New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

New Delhi on 14-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Shanti Devi Khandelwal W/o Shri Jai Narain Khandelwal R/o 1720, Gali Pyao Wali, Dariba Kalan, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot No. 60 Block No. 6 measuring 230 sq. yds. bearing Municipal No. XVI/10264 Khasra No. 1791/1258 situated in Western Extension Area Karol Bagh New Delhi bounded as under :—

North—Plot No. 6/61
South—Park & Lane
East—Road 24 feet
West—Gali 10 feet

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III.

Date : 18-8-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-HI/8-79/370.—Whereas, I. D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. B-1/53, situated at Malviya Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 15-12-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Narain Dass Jaisinghani S/o Shri Harbaks Rai R/o 3, Chandra Nivas (B) Opposite Indian Oil Petrol Pump Anchuri, Kurla Road Bombay-59 through G.A. Shri G. D. Rajpal S/o Shri Jodha Ram Rajpal R/o B-1/53, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Phool Rajpal W/o Shri G. D. Rajpal R/o B-1/53, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-1/53, measuring 200 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi.

D. P. GOYAL,
 COMPETENT AUTHORITY.
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range III.
 Delhi/New Delhi.

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. K. Ghosh R/o 1/26, Shanti Niketan New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. S. Pawaskar & Smt. Priti S. Pawaskar R/o G-7, N.D.S.E. Part II New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III
NEW DELHI**

New Delhi, the 18th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/369.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-43, situated at N.D.S.E. Part II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, New Delhi on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A one and a half storey building built on freehold plot measuring 529.72 sq. yds., bearing No. 43, Block 'C' situated in New Delhi South Extension Part II in the area of village Mubarakpur Kotla on Ring Road New Delhi and bounded as under :—

East—Road
West—Road
North—Plot Nos. C-42 & C-44
South—Road

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th May 1979

Ref. No. 12/DEC/78—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 112, situated at Unjampatti Village, Theni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR I Periakulam (Doc. No. 1107/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. S. M. P. Arunachalam,
2. A. Magendran,
3. A. Rajaraman.
4. A. Janardhanan, &
5. S. M. P. Gurusamy &
6. G. Arul Ponnai.
Unjampatti Village, Theni.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. S. Santhammal &
2. Junior Subba Reddy @ Tamilselvan T. Vadipatti,
Nilakkottai Taluk, Madurai District.
For K. S. G. Ginning Factory,
Annanji Post, Periakulam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 1107/78-ISR I, Periakulam
Land & Factory Buildings at Survey No. 112, Unjampatti Village, Theni.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 20-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 23rd May 1979

Ref. No. 67/DEC. 78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, situated at Rajendra Prasad II Street, Narimedu, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR I Madurai (Doc. No. 4530/78) on Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri E. M. G. Soundararajan,
'Gokulam'.
No. 25, Gokhale Road,
Chinnachokkikulam, Madurai-1.

(Transferor)

(2) Shri K. Velusamy alias K. S. Velusamy,
No. 28, Bharathiar Road, Thirunagar,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4530/78—JSR 1, Madurai

Residential property bearing (Land & Buildings) Door No. 9, Rajendra Prasad II Street, Narimedu, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 23-5-1979.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 15th June 1979

Ref. No. 11/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 6-A, situated at 4th Street, C.H.B. Colony, Tiruchengode, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 1696/78) on Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Ardhaneeswaran, C/o Parameswaran, Stamp Vendor, Gobichettipalayam.
2. Ranganayaki, W/o Balasubramaniam, Visalakshi Kalvi Nilayam, Gobichettipalayam.
3. Sivagamisundari, W/o Gnashanker, Assistant, Govt. Boys School, Dharmapuri.
4. Jambugeswaran, 10-C, 5th Street, C.H.B. Colony, Tiruchengode.
5. Javalakshmi, W/o Manoharan, Assistant, P.W.D. Coimbatore.
6. Manonmani, W/o Ramasamy, Teacher, Panchayat Union School, Mettupalayam.
7. Gnanaprakasam, Junior Assistant, Taluk Office, Bhavani and minor children.

(Transferor)

- (2) T. C. Rajamaniammal, D/o Parvathiammal, 13, C.I.E. Colony, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1696/78 S.R. O. Tiruchengode
Land & Buildings at Door No. 6-A, 4th Street, C. H. B. Colony, Tiruchengode.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 15-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

Kanpur, the 6th August 1979

Ref. No. 13/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 (Old No. 10) situated at I Cross, North Maravaneri Extension, Salem-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO II, Salem, (Doc. No. 4/36/78) on Dec. 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

(1) J. V. R. Durairajan,
2. R. Rajambal,
3. C. Jayalakshmi,
4. S. Sornambal,
Ist Cross,
North Maravaneri Extension,
Salem-7.

(Transferor)

(2) Shri L. Rajagopal,
Accountant,
Canara Bank, Park Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4736/78—JSRO II, Salem

Land & Buildings at Door No. 3 (Old No. 10) Ist Cross, North Maravaneri Extension, Salem-7.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-600006.

Date : 6-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. Smt. Ponnammai, W/o late
Shri Sankaranarayanan Chettiar.
2. Smt. Bhagavathi Amma, D/o Smt. Ponnammai.
3. Sri Pazanyandi Chettiar, S/o late Sankaranarayana-
nan Chetty.
4. Smt. Nagamimal, D/o Smt. Ponnammai
5. Smt. Shanmugham Ammal, D/o Smt. Ponnammai,
6. Shri Kollappan Chettiar, S/o late Shri Sankara-
narayanan Chettiar,
Chetty Street, Kottar.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Mohamed Fathima,
D/o Smt. Marian Beevi, Thai Veedu, Pattanam
Desam, Thengapatnam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 43/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NMC 28/647 situated at Vadiveswaram Village, Kottar, Nagercoil

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Nagercoil (Doc. 4246/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4246/78 JSRO I, Nagercoil

Land of Building Door No. NMDC 28/647, Vadiveswaram Village, Kottar, Nagercoil. (Chetty Street, Kottar).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79,
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—226GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 38/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(Old No. 17) New No. 7 situated at Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at JSRO I Madras on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Ahalya Radhakrishnan,
W/o Dr. S. Radhakrishnan,
No. 12 'Asha Mahal, Nowroji Gamdia Road,
Bombay-26 by power of attorney agent Shri M. N.
Sambamurthy.

(Transferor)

(2) 1. E. Venkateswarlu,
2. E. Rajesekar,
3. E. P. Pollayy all r/o
F. 21, Reserve Bank
of India Staff
Quarters, Poonamallee High Road,
Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 4950/78 JSRO I, Madras

Vacant Land—New Door No. 7 (Old No. 17) at Rajarathnam Street, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79.

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th July 1979

Ref. No. 19/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

16, situated at Gandhi Irwin Road, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras (1357/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shri Dinesh Mallya,
2. Shri Harish Mallya &
(1) 1. Shri Dinesh Mallya,
7, Rutland Gate V Street,
Madras-34.

(Transferor)

(2) Shri P. Kunbammed Haji,
No. 16 (Old No. 4/1),
Gandhi Irwin Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 1357/78 SRO Periamet

Land & Buildings at Door No. 16, Gandhi Irwin Road, Egmore, Madras-8.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 12-7-79.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st July 1979

Ref. No. 77/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-15 situated at T. V. S. Nagar, Madakulam, Madurai (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) 1. Shri A. Pandurangam,
2. Shri P. Selvaraj,
C-15, Rajam Road, T.V.S. Nagar,
Madurai-3.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramasamy,
No. 10, Swamy Sannathi Theru,
C. N. Village, Tinnelveli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 355/78 JSRO, Madurai

Land & Buildings—Plot No. C. 15, T. V. S. Nagar, Madakulam, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 31-7-79.

Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri T. Karuppasamy, Shri P. Govindarajan Kambam,
(Transferor)(2) Thara Cotton Traders Pvt. Ltd., Andalpuram, Madu-
rai.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006
Madras-600006, the 31st July 1979

Ref. No. 30/DEC/78.—Whereas, I, O. NANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 620 & 618/2B, 1331/2 Veerapandi Village, Madurai situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periakulam (1226/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Document No. 1226/78 SRO Periakulam

Agricultural lands, Land & Buildings at Survey No. 620, 618/2B and 1331/2 at Veerapandi Village, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date . 31-7-79.
Seal :

FORM ITNS(1) Shri C. Natarajan & Shri T. Seetharaman, Theni.
(Transferor)**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 31st July 1979

Ref. No. 29/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 617 & 619 situated at Veerapandi Village, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Periyakulam (1225/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Thara Cotton Traders Pvt. Ltd., Andalpuram Madurai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1225/78 SRO Periyakulam.

Lands & Rice Mill Buildings etc. in Survey No. 617 and 619 at Veerapandi Village, Madurai.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 31-7-79.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 1st August 1979

Ref. No. 42/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 258/2 situated at Errayamangalam Village, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 1799/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Dr. B. S. Murugesan, Government Hospital, Virudhunagar.
2. B. S. Ganesan, S/o Sundaravel Gounder, Pelukkuruchi, Namakkal Taluk.
3. B. S. Chandrasekaran, B. T. Assistant, Govt. High School, Rasipuram.
4. B. S. Sadasivam, B. T. Assistant Govt. High School, Chionappampatti, Omalur Tk.
5. Dr. B. S. Balasubramaniam, Govt. Hospital, Erode.
6. B. N. Thiagarajan, Belukuruchi, Namakkal Taluk.
7. B. N. Viswanathan, S/o Nanjundeswara Gounder, Belukuruchi.
8. B. N. Rachinasabapathy S/o Nanjundeswara Gounder, Belukuruchi.
9. T. Ramalingam M/s. Gajalakshi Enterprises, Bretts Road, Salem.
10. B. N. Sivasubramaniam, Belukuruchi, Namakkal Tk.

(Transferor)

- (2) 1. Marappa Gounder, Panthiparrakadu, Manjakalpatti Village, Sankari Tk.
2. Shri Palaniappa Gounder S/o Marappa Gounder, Panthiparrakadu, Manjakalpatti, Sankari Tk.
3. Ramasamy, S/o Marappa Gounder, Uppipalayam Road, Errayamangalam Village, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 1799/78 SRO, Tiruchengode

Agricultural lands—9.40 acres—Survey No. 258/2 Errayamangalam Village, Tiruchengode Taluk.

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 1-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 2nd August 1979

Ref. No. 15/DEC/78.—Whereas, I, O. ANADARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 34/1, 34/2A/2B & 25/1 situated at Kalarampatti Main Road, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at JSRO I Salem (Doc. No. 4900/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. P. Sengodan &
2. S.C.S. Palaniappa Mudaliar 38A, Annamalai Mudaliar Street, Salem.
(Transferor)

(2) 1. Shri V. Devarajan,
2. Shri V. Mani and
3. V. Rajendran,
46, Muniappa Koil Street, Kichipalayam Salem.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE*Document No. 4900/78 JSRO I, Salem*

Lands at T. S. No. 34/1, 34/2A/2B and 25/1—9265 S. Ft. at Kalarampatti Main Road, Salem.

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 2-8-1979,

Seal :

FORM ITNS

S/Shri
 (1) Janaki Chetty,
 Chandrasekaran,
 C. V. V. Kannappan,
 Sankaranarayanan,
 Karthikeyan,
 Venugopalan,an,
 P. Raghunath,
 Thirugnanam,
 Vijayaraghavan.

(Transferor)

(2) R. M. Vivekanandan S/o Ramaswamy,
 27/125, Ramachandra Road,
 Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 4994.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 8/1363-1A situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4236/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 8/1363/1A, Coimbatore. (Doc. No. 4236/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date 6-8-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17-226GI/79

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

S/Shri
 (1) Janaki Chetty,
 V. Chandrasekaran,
 C. V. Kannappan,
 Karthikeyan,
 C. V. Venugopal,
 V. Raghunath,
 C. V. Thirugnanam,
 T. Vijayaraghavan,
 Sankaranarayanan,

(Transferor)

(2) R. M. Ramaswamy S/o Ramaswamy,
 260, Mettupalayam Road,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 4994.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 8/1363-1A situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4237/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 8/1363-1A, Coimbatore, (Doc. No. 4237/78).

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date 6-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

S/Shri
 (1) Janaki Chetty,
 V. Chandrasekaran,
 C. V. Kannappan,
 K. Sankaranarayanan,
 K. Karthikeyan,
 C. V. Venugopal,
 V. Raghunath,
 C. V. Thirugnanam,
 T. Vijayaraghavan.

(Transferor)

(2) M. S. Ramaswamy S/o Spubbarayalu Naidu,
 21/2/1, Lokmanya St.,
 Coimbatore.

(Transferee)

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 4994.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 8/136A-1A, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coimbatore (Doc. No. 4238/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I land at T.S. No. 8/136A-1A, Coimbatore. (Doc. No. 4238).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date 6-8-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 4994.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T.S. No. 8/1.363-1A, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4239/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Janaki Chetty,
V. Chandrasekaran,
C. V. Kannappan,
K. Sankaranarayanan,
K. Karthikkeyan,
Venugopal,
Raghunath,
Thirugnanam,
Vijayaraghavan.

(Transferors)

(2) Susila W/o Ramaswamy,
Lokmanya Road,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 8/1.363-1A, Coimbatore. (Doc. No. 4239/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 29D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Umapathi S/o Late K. Ramaswamy Mudaliar,
50A, Brough Road, Erode.
(Transferor)

(2) S. R. Valliappa Gounder S/o Ramaswamy Gounder
57, Bridge Road, Pallipalayam,
Tiruchengode.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 10019.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos.

50,50A & 51, situated at Brough Road, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 160/79) on Jan. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 50, 50A and 51, Brough Road, Erode. (Doc. No. 160/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date 6-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 10011.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

70, Easwaran Koil St., situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. No. 1699/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Balakankalatha
Balasailaja
D. Prithviraj, Nagamalai Garden,
Madras.

(Transferor)

(2) Nanjappa Gounder
S/o Kaliappa Gounder
Kombaithottam, Noyyal St.,
Tiruppur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 70, Easwaran Koil St., Tiruppur. (Doc. No. 1699/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 2nd August 1979

Ref. No. 4987.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 9/25A, situated at Cross Cut Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4220/78) on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) T. K. C. Mouli S/o
T. S. Kalyanasundaram Iyer,
43, Rajaji Road, Ghandipuram,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) A. Palaniappan S/o Arumugha Gounder,
Murugan Nilayam, 2A, Tatabad 6th St.,
Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land with compound wall etc. at T.S. No. 9/25A, Cross Cut Road, Coimbatore. (Doc. No. 4,220/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 8435.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.F. No. 111/1 situated at Kannampalayam Village and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sulur (Doc. No. 1398/78) on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Mrs. Leela Ramanath
106, Race Course Road,
Coimbatore-641 018.

(Transferor)

(2) S. Parvathi W/o S. Shanmugham,
10/19, Sriranganathapuram,
Kannampalayam Village, Palladam Tk.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands at S.F. No. 111/1A, Kannampalayam. (Doc. No. 1398/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 6-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) R. Venugopala Iyer S/o Rajappa Iyer
25, Tabur New St.,
Kumbakonam.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 8450.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

65, Balaji Talkies situated at Beema Nagar Heber Road Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 5829/78) on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lan dand building at No. 65 Beemanagar, Heber Road, Balaji Talkies Trichy. (Doc. No. 5829/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 3-8-1979

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

5—226GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 8452.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Home Deane, 17, situated at Benwells Road, Abishekapuram, Cantonment, Tiruchirappalli (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 5589/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) B. S. Joseph W/o Dr. G. Joseph Genaradickam, Mannarpuram, Cantonment, Tiruchirappalli.

(Transferor)

(2) C. T. Veerappan S/o Chidambaram Chettiar, 10E/1, Benwells Road, Cantonment, Tiruchirappalli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at 17, Benwells Road, Abishekapuram, Cantonment, Tiruchirappalli "Home Deane". (Doc. No. 5589/78).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd August 1979

Rcf No. 8427.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41, A.L.C. Compound situated at Pudupalayam, Cuddalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc. No. 1473/78) on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) J. Devanathan S/o Jayarama Padaiaachi
J. Jayachandran S/o Jayarama Padaiaachi
J. Ravichandran S/o Jayarama Padaiaachi
41, A L C Compound, Bharathi Road,
Cuddalore.

(Transferor)

(2) A. S. Chockalingam S/o Shanmughaswamy,
40, Sannathi St. Thirupathirupuliyur,
Cuddalore.

(Transferee)

Obejctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 41, A.L.C. Compound, Cuddalore (Doc. No. 1473/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 3-8-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 8436.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 1B1, 1B2, 1B3, situated at 1st Street, Srinagar Colony, Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. No. 3990/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Srinivasan,
Agricultural Credit Department Officer,
Indian Overseas Mount Road,
Madras.

(Transferor)

(2) A. Thavakkal Basha S/o Abdul Kareem,
Kareem Stores, 56, Malmuslin St.,
Vallam, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 1B1, 1B2, 1B3, Srinagar Colony, Tanjore Document No. 3990/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 3-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Rathinam Achi,
 Rajamani Achi,
 Saraswathi (Alias) Adaikalakapnu,
 Subramanian & Sethuraman rep. A.C.
 Arunachalam Chettiar,
 Rajakumari,
 Parvathi,
 Sumathi,
 Madhavi,
 Savithri,
 Manikandan,
 Arunachalam, Rajathi,
 Alangudi.

(Transferor)

(2) A. C. Subbiah S/o Alagappan Ambaiam,
 Icc-Keni St., Kandanur Road,
 Karaikudi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE-II,
 MADRAS-600 006

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 8437.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 34, situated at Thirumayam Road, Pichathanpatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukkottai (Doc. No. 2105/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 34, Thirumayam Road, Pichathanpatti, Pudukkottai. (Doc. No. 2105/78)

RADHA BALAKRISHNAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 3-8-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) S. R. Raghavcer,
No. 8C, Balfour Road,
Madras-10.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) N. N. Mohd. Hanif Mrs. Balkees,
C. M. Javudeen,
No. 1, Manikeswari Road,
Madras-10.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 6833.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26, situated at Orms Road, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam, Madras (Doc. No. 1840/78) on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 26, Ormes Road, Madras-10.
(Doc. No. 1840/79)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri C. Periasamy,
No. 4, Mannarsamy Koil Street,
Royapuram, Madras-13.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Rajalakshmi,
W/o Shri R. Shanmugam,
Keelaveli Street, Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 63/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 15-A T.S. No. 1571, situated at Kanpalayam 1st Street, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO Madurai (Doc. No. 4661/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 4661/78 JSRO Madurai.
Land and Buildings at Door No. 15-A—T.S. No. 1571
Kanpalayam 1st Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 10-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Paramanand H. Bajaj,
Shiv Shakthi Enterprises,
5-1-32, Rashtrapathi Road,
Secunderabad-500 003.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

(2) Smt. Sushila Motiram Malibubani,
W/o Shri Moti Valiram Mahbupani,
of Moneta International (HK),
G.P.O. Box No. 1182, Hong Kong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 36/DEC/78.—Whereas, I, G. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 701, (7th Floor) situated at 'B' Block, Shivalaya, 16, Commander-in-Chief Road, Madras-8. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I North Madras (Doc. No. 4763/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 4763/78 JSRO I, Madras North.
House Property—Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Block, Shivalaya, 16, Commander-in-Chief Road, Madras-8.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 10-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) 1. L. Nagamalai Udayar,
2. N. Sivasankaran,
3. N. Angamuthu,
Venkatachala Udayar Lane,
Rasipuram Town.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 40/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54 (Cinema Theatere), situated at Gandhi Salai, Rasipuram Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rasipuram (Doc. No. 1583/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) 1. A. Subramaniam,
2. A. Nainamalai,
3. A. Kandasamy,
Minister A. Govindasamy Street,
Rasipuram Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 1583/78 SRO, Rasipuram Land and Buildings (Cinema Theatre), Door No. 54, Gandhi Salai, Rasipuram Town.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 10-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. R. Chidambaram Chettiar &
2. Shri C. Kumaresan,
C/o C. Kumaresan & Company,
Timber Merchants, Shevapet,
Salem-2.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

(2) Shri R. Ramanathan,
S/o B. Ranganathan Chettiar,
42-F, Fairlands, Alagapuram,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 57/DEC/78.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, situated at Jambulingam Chetty Street, Shevapet, Salem-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSRO Salem (Doc. No. 3263/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 3263/78 JSRO, Salem
Land & Buildings (Godown) Door No. 22, Jambulingam
Chetty Street, Shevapet, Salem-2.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 10-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS —————

(1) Shri T. Rajagopal Nadar and
Shri T. Muthiah,
No. 3, Second Lane, Rukmangalayam
Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 64/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

124, situated at East Perumal Maistry Street (Chitrakara Street (Chitrakara Street), Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO I Madurai (Doc. No. 4603/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri P. Ramachandran Chettiar,
43-A, Lakshmpuram 4th Street,
Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 4603/78 JSRO I, Madurai.
Land and Buildings at Door No. 124, East Perumal Maistry Street (Chitrakara Street), Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1979

Seal :

Form ITNS—

(1) 1. C. Samuel Pillai,
 2. Smt. Rexana Samuel,
 3. S. David Chellappa,
 4. Kesalarajakumari,
 5. Sheela Martin,
 6. Steephan Ratnakumar,
 6. Subramaniasami Koil Street,
 Kulavanigapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

(2) Shri P. Abdul Lathif &
 Smt. Nafeesa Beevi,
 C-82, Maharaja Nagar,
 Palayamkottai.

(Transferee)

Madras-600006, the 13th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 62/DEC/78.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

41-C, situated at Trivandrum Road, Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO Palayamkottai (Doc. No. 2647/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Document No. 2647/78 JSKO Palayamkottai.
 Land and Buildings at Door No. 41-C, Trivandrum Road Palayamkottai.

O. ANANDARAM
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 13-8-1979
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-600 006

Madras-600006, the 13th August 1979

Ref. No. 9/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. 70, situated at Salem-Shevapet Chandaipettai Main Road, Pallapatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO III Salem (Doc. No. 3034/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. P. Lakshmana Chettiar,
2. L. P. Chettiar,
3. L. S. Vasan and
4. L. Janagarajan,
Kannankurichi, Sadem Dt.

(Transferor)

- (2) Smt. Zananasoundari,
W/o Shri M. Manickam,
New Venkatesapuram, Kumarasamipatti,
Salem.
2. Shri A. Kulandaipillai,
Kumarasamipatti, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 3034/78 JSRO III, Salem.

Land and Buildings at Door No. 70, Salem Town-Shevapet Sandaipettai Main Road, Pallapatti Village, Salem Dt.

O. ANANDARAM
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Madras-600006

Date : 13-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri N. Abdul Kareem,
195, Tiruvottiyur High Road,
Madras-21.
and
Smt. Meenul Beevi
W/o S. K. Nagor Gani Rowther,
Sengottah Melavar.

(Transferor)

(2) Haji K. Mohamed Mohideen,
36, Mount Road, Thenkasi Kasba,
Thenkasi Taluk.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 13th August 1979

Ref. No. 8/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1000 situated at Segaram Melavar, Sengottah Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Shenkottah (Doc. No. 2266 79) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2266/78 SRO Shenkottah.

Vacant site—28 Cents—at Segaram Melavar, Sengottah Village, Tinnelveli District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date : 13-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri V. R. Venkataramani,
10/36, Bodinayakanur P.O
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ramachandran,
15/W, Bodinayakanur P.O.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 3rd August 1979

Ref. No. 7/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 296, situated at Kottakudi Village, Bodinayakanur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Bodinayakanur (Doc. No. 2417/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2417/78 SRO Bodinayakanur.
Garden Lands—Survey No. 296—Kottakudi Village, Bodinayakanur, P.O.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri V. R. Venkataramani, S/o S. V. Ramasamy Chettiar, 10/36, Bodinavakanur P.O.
(Transferor)

(2) Dr. R. Ramachandran, S/o S. Ramanathan, 15/W, Bodinayakanur P.O.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 6/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 296 and 297, situated at Kottakudi Village, Bodinayakanur, Periyakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Bodinayakanur (2422/78) on Dec. 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2422/78 SRO Bodinayakanur,

Garden lands—Survey No. 297 and Survey No. 296 at Kottakudi Village, Bodinayakanur, Periyakulam.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 13-8-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. S. Sornampillai, Liquidator, Palayamkottai-Tinnelveli Weavers Co-op. Sales Society, Tinnelveli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 5/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, situated at Bazaar Road, Kadayanallur, Thenkasi Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Kadayanallur (Doc. No. 2502/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Document No. 2502/78 SRO Kadayanallur.

Land & Buildings and connected properties at Door No. 8, Bazaar Road, Kadayanallur, Thenkasi Taluk.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 13-8-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—226GI/79

FORM ITNS

(1) Minor M. Muthiah, S/o Shri PL. M. Muthiah
Chettiar 13, Venkalakadai Street, Madurai.
(Transferor)

(2) Smt. T. Lakshmi, W/o Shri Thangasamy Chettiar,
2/388, Gandhiji Road, Paramakudi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 24/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31-B, situated at Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudumandapam (Doc. No. 2128/78) on December 78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No. 2128/ 78 SRO Pudumandapam.
Land & Buildings at Door No. 31-B, Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai,

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

Date : 13-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Minor M. Veerappan, S/o PL. M. Muthiah Chettiar,
13, Venkalakadai Thcru, Madurai.
(Transfcor)

(2) Smt. T. Lakshmi, W/o Shri Thangasamy Chettiar,
2/388, Gandhiji Road, Paramakudi.
(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 23/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 31-B, situated at Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudumaandapam (Doc. No. 2127/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2127/78 SRO Pudumandapam.

Land & Buildings at Door No. 31-B, Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-79

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Minor M. Meenakshisundaram, by guardian & father
Pl. M. Muthia Chettiar, 13, Venkalakadai Theru,
Madurai.
(Transferor)

(2) Smt. T. Lakshmi W/o Shri Thangasamy Chettiar,
2/388, Gandhiji Road, Paramakudi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 22/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31-B, situated at Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at SRO Pudumandapam (2128/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Document No. 2128/78 SRO Pudumandapam,
Land & Buildings at Door No. 31-B, Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 13-8-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P.L. Muthiah Chettiar, 13, Vengalakadai Street,
Madurai.
(Transferor)

(2) Smt. T. Lakshmi, W/o Thangachamy Chettiar
2/388, Gandhiji Road, Paramakudi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th August 1979

Ref. No. 21/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31-B, situated at Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc. No. 2125/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2125/78 SRO Pudumandapam.
Land & Buildings at Door No. 31-B, Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—216GI/79

Date : 13-8-79
Seal :

FORM ITNS(1) M. Palaniappan, 13, Venkalakadai Street, Madurai.
(Transferor)(2) Smt. T. Lakshmi, W/o Shri Thangasamy Chettiar,
2/388, Gandhiji Road, Paramakudi.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,**
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 13th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 78/DEC/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 31-B, situated at Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pudumandapam (Doc. No. 2213/78) on December 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Document No 2213/78 SRO Pudumandapam.
Land & Buildings at Door No. 31-B, Vidwan Ponnusamy Pillai Street, Madurai.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-8-79

Seal :

FORM ITNS—

(1) VR. K. R. L. Lakshmanan Chettiar, B-31, N.E.E.
Thillai Nagar, Trichy-18.
(Transferor)

(2) T. Raman S/o A. N. S. Thiaraaja Chettiar, 26261,
East Main St., Pudukottai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th August 1979

Ref. No. 8453.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 498, Periakadai St., situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 3508/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 498, Periakadai St., Trichy (Doc. No. 3508/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 10-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) VR. K. R. L. Lakshmanan Chettiar, B-31, N.E.E.
Thillai Nagar, Trichy-18.
(Transferor)

(2) T. Sivalingam, S/o. A. N. S. Thiagaraja Chettiar,
26261, East Main St., Pudukkottai.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th August 1979

Re. No. 8453.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 498, Periakadai St., situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 3506/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 498, Periakadai St., Trichy.
(Doc. No. 3506/78)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date 10-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) VR. K. R. L. Lakshmanan Chettiar, B-31, N.E.E.
Thillai Nagar, Trichy-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Subramanian S/o A. N. S. Thiagaraja Chettiar,
26261, East Main St., Pudukkottai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 8453.—Whereas, I, RADHA BAI AKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 498, Periakadai St., situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 3507/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 498, Periakadai St., Trichy.
(Doc. No. 3507/78)

RADHA PALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—226G1/79

Date 10-8-79
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nilgiris Hotels and Properties (P) Ltd., Ootacamund,

(Transferor)

(2) Parvathy Ammal W/o E. K. Mullagan, No. 5/2, S. C. Block, Stone House Hill, Ooty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 9th August 1979

Ref. No. 10004.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1672/1, situated at Shoreham Palace Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1558/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 1672/1 at Shoreham Palace, Ooty.
(Doc. No. 1558/78)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date : 9-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) The Nilgiris Hotels and Properties (P) Ltd., Ootacamund.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) D. M. Kamaiya S/o B. Madhaiyar Denad, The Nilgiris.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 9th August 1979

Ref. No. 10004.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1672/1, situated at Shoreham Palace Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1559/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 1672/1 at Shoreham Palace, Ooty.
(Doc. No. 1559/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nilgiris Hotels and Properties (P) Ltd.,
Ootacamund.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 9th August 1979

Rcf. No. 10004.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1672/1, situated at Shoreham Palace Ooty (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1560/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) B. M. Basuvayya S/o Matta Hettaiyya, Denad, Kil. Kotagiri.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 1672/1 at Shoreham Palace, Ooty.
(Doc. No. 1560/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) The Nilgiris Hotels and Properties (P) Ltd.,
Ootacamund.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. Raju, 5/2, S. C. Block, Stone House, Hill Ooty.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 9th August 1979

Ref. No. 10004.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 1672/1, situated at Shoreham Palace Ooty (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1561/78) of December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 1672/1 at Shoreham Palace, Ooty.
(Doc. No. 1561/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS(1) The Nilgiris Hotels and Properties (P) Ltd.
Ootacamund,

(Transferor)

(2) M. Ravikumar S/o E. K. Mallugan, Idukkorai,
Hamlet, Kotagiri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 9th August 1979

Ref. No. 10004.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 1672/1, situated at Shoreham Palace Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1562/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey No. 1672/1 at Shoreham Palace, Ooty.
(Doc. No. 1562/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date : 9-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M. R. Venkiteswamy Naidu S/o Ramaeswamy Naidu
V. V. Layout, Manickam Pillai St., Udumalpet.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. S. Mehtab Haseen, W/o Dr. Syed Abdul Aleem Basha, 8/10, Bazaar St. Rasipuram, Salem Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Udumalpet (Land in extent 83 cents).

(Doc. No. 3761/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-79

Seal :

FORM ITNS

(1) G. N. Namasiyyam S/o G. R. Nagaiyapillai
Veeraswamy Pillai St., Gobichettipalayam,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. V. Nagarajan S/o G. R. Veeraswamy, Veeraswamy Pillai St., Gobichettipalayam, G. N. Rathnasingaram S/o G. R. Nagaiyapillai Pazhani adivaram, Bharathinagar Pazhani Adivaram.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th August 1979

Ref. No. 4976.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 10, 10A, 10B, situated at Dharapuram Road, Gobichettipalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. No. 4221/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

10, 10A, 10B, Dharapuram Road, Gobichettipalayam.
(Doc. No. 4221/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-8-79

Seal :

FORM ITNS

(1) R. Subramania Iyer, S/o Ramaswamy Iyer 32,
Nadhamuni St., Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) I. Abdul Waheed, Pinnathur Chidambaram Tk.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th August 1979

Ref. No. 8439.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T. S. No. 1076, situated at Sengazhunir Pillayar Koil St., Chidambaram

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chidambaram (Doc. No. 2904/78), on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—226GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 1076, Sengazhunir Pillayar Koil St., Chidambaram.
(Doc. No. 2904/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 10-8-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Melur Valley Tea Plantations,
Melur Nilgiris.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Melur View Plantations,
Melur, Nilgiris.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 10001.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 41/1B, situated at 9/111 to 116 and 116A, Melur Village, Coonoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Coonoor (Doc. No. 1601/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 41/1B, at 9/111, 112, 113, 114, 115, 116 and 116A, Melur, Coonoor. (Doc. No. 1601/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Alaukik Trading & Investment (P) Ltd.
Indumati Mahal, Baroda,

(Transferor)

(2) Good Shepherd Enterprises,
Woodstock Palace, Ootacamund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 9th August 1979

Ref. No. 10003.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 74, 75, 76, 77, situated at Ootacamund Woodstock Palace (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 1566/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S. Nos. 74, 75, 76 and 77, Woodstock Palace Ootacamund. (Doc. No. 1566/78).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 9-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Mahendra Chand Dadha,
56, Lloyds Road,
Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 8445.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 68, situated at Chithathur Hamlet, Gerugambakkam village, Sriperumbudur Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 2717/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sree Gajalakshmi Brick Industries,
143, Poonamallee High Road,
Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at No. 68, Chithathur Hamlet, Gerugambakkam Village, Sriperumbudur Tk. Chingleput Dt. (Doc. No. 2717/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) A. S. Jayaraman son of A. R. Seetha
Rama Iyer,
Mahadhana St., Mayuram,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006**

(2) Abdul Salam S/o Sheik Dawood,
Alamara St., Elandbakudi,
Mayuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and building at TS. No. 354, 355, 356 No. 2, Kalaraithoppu St., Mayuram. (Doc. No. 930/78)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) T.S.R. Murthy,
S. Subramania Iyer,
164, Mahadhana St., Mayuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th August 1979

Ref. No. 8456.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C25, TS. No. 46/2, Cauvery Nagar, situated at Sithakadu Village Mayuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mayuram (Doc. No. 939/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at C.25, Cauvery Nagar, Sithakadu Village, Mayuram. (Doc. No. 939/78)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref. No. 6876.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 8, Yogambal St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1394/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Janakamma, C. Radhakrishna, C. Yugandar C. Mohan Rao, C. Harinath, Prabhavathi, C. R. Chandran, C. K. Kumar, C. Kalavathy Gopal, 13, Dr. Sadashivam Road, Madras-17.
(Transferor)

(2) Shri T. R. Somasundaram,
C/o M. K. Ramaswamy Chettiar,
44, Habibullah Rond,
Madras-17.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 8 Yogambal St., Madras-17.
(Doc. No. 1394/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Meenakshi Ammal
W/o Shri Murugesan,
9/31, Sathyamurthy Road,
Coimbatore Town

(Transferor)

(2) Shri R. Govindaswamy Chettiar & Sons
by Shri G. Muruganathaswamy
S/o Shri R. Govindaswamy Chettiar
7/2, Gopalapuram, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref. No. 4992.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K.S. No. 502/2 situated at Pannimadai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2181/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands at K.S. No. 502/2, Pannimadai Village (Doc. No. 218/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Murugesan
S/o Palaniswamy Gounder
9/34, Sathyamurthy Road,
Coimbatore Town

(Transferor)

(2) Shri R. Govindaswamy Chettiar & Sons
by Shri G. Muruganathaswamy
S/o Shri R. Govindaswamy Chettiar
7/2, Gopalapuram, Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref. No. 4992.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

K. S. No. 502/1 situated at Pannimadai Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2180/78 on December 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands at K.S. No. 502/1, Pannimadai Village. (Doc. No. 2180/78).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
23—226GI/79

FORM ITNS

(1) T. P. S. H. Suresh Ram Sait,
2, Vijayaraghavachari Road,
Madras-600 017.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS**

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref No. 6882.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2, situated at Vijayaraghavachari Road, Madras-17, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 14337/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Sashi Malhotra,
6, North Boag Road,
Madras-600 017.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No 2, Vijayaraghavachari Road, Madras-600 017.

(Doc. No. 1437/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS—

(1) Murugesan
S/o Palaniswamy Gounder
9/34, Sathyamurthy Road,
Coimbatore Town.
(Transferor)

(2) G. Muruganathaswamy
S/o Govindaswamy Chettiar
7/2, Gopalapuram, Coimbatore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref. No. 4993.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

K. S. No. 494 and S. No. 810 situated at (1/3rd) at Pannimadai Village and Nanjundapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2179/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands at K.S. No. 494 Pannimadai village and S. No. 810 at Nanjandapuram, (1/3rd share).

Doc. No. 2179/78)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 17th August 1979

Ref. No. 6868.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated at Lady Madhavan Nair Road, Madras-600 034 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 1371/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Mathew Phillipose,
S/o Oomen Mathew
Kottakkathattu Theru, Kozhikode (Kerala)
(Transferor)
- (2) Mrs. Lily Thomas
W/o Thomas Verghese
(2) No. 10, G. H. Reddy Avene,
Sterling Road, Madras-34.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at No. 21, Lady Madhavan Nair Road, Madras-34.

(Doc. No. 1371/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th August 1979

Ref. No. 6874.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Flat A/19, situated at R.S. No. 533/6, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 1341/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Miss K. Chandana
21, Subbarao Avenue,
College Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mysore Sales Internation Ltd.,
184, Thanikachalam Chetty St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat A/19, R.S. No. 533/6 (Fifth Floor)
(1/24 share in land)
(Doc. No. 1341/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Madras-600 006.

Date : 18-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) P. L. Valliyamal
W/o Palaniya
Papachatram 59, Maher.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Suthirapathi
S/o Subramania Pathar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8458.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.D. No. 24 situated Paghudimanai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peralam (Doc. No. 1621/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Pagudimanai.
(Doc. No. 1621/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Balasubramanian,
No. 67, Dr. Radhakrishna Road,
Madras-600 004.

(Transferor)

(2) Coramandel Indag Products (P) Ltd.,
29 Police Commissioner Office Road,
Madras-600 008.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th August 1979

Ref. No. 8444.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 99, situated at Padappai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tambaram (Doc. No. 4885/78) on December 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey Nos. 563/1B, 561/1, 3, 4, 5, 562/2, 3, 546/1, 3, 565/3, 1, 563/1A, 3A, 571/1, 567/1B, 566, 99, Padappai Village.
(Doc. No. 4885/78)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 00.

Date : 18-8-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. S. P. Virmani & Son Pvt. Ltd.
33, Shivaji Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Haldia Organic & Easter Ltd.
16-A, Brabourne Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 16th June 1979

Ref. No. GRG/DLI/28/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Jawala Textile Mills situated at Revenue Estate Mullahera Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Jawala Textile Mills situated at Revenue Estate Mullahera Teh & Distt. Gurgaon and property as more fully described in sale deed registration No. 576 dated 27-12-1978 in the office of the Registering Authority, Delhi.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 16-6-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Veeranwali Wd/o
Shri Kirpa Ram
11/13, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Prabh Dayal and Krishan Lal
S/o Shri Thakur Dass,
H. No. 3-G/124-125, NIT,
Faridabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK

Rohtak, the 31st July 1979

Ref. No. BGR/17/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 3-G, 124-125 situated at NIT Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Property No. 3G/124-125, NIT, Faridabad and as mentioned in the Sale deeds registered at No. 5263 and 5264 dated 4-12-1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—226/79

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD,
ROHTAK**

Rohtak, the 20th August 1979

Ref. No. NWN/9/78-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 1100 sq. yds. with boundary wall, near PWD Rest House, situated at Narwana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narwana in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sh. Tilak Raj S/o Sh. Mam Raj
2. Sh. Tara Chand S/o Sh. Mam Raj
3. Sh. Ramesh Kumar S/o Sh. Laxmi Narain
4. Sh. Jagdish S/o Sh. Ram Narain
5. Sh. Raj Kumar S/o Sh. Ram Narain
6. Sh. Dipat Rai S/o Sh. Ram Narain
R/o Narwana.

(Transferor)

- (2) S/Shri Om Prakash Bhalla Ram, Vasdev and Mohan Lal S/o Shri Siri Ram C/o. M/s. Paras Ram Siri Ram, Panwari Mandi Narwana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing a plot measuring 1100 sq. yds. bounded with walls and situated at near PWD Rest House, Narwana and as mentioned more in the Sale Deed registered at Sr. No. 1622 dated 21-12-1978 with the Sub-Registrar, Narwana.

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 21st July 1979

Ref. No. AP-1927.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jullundur in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagjit Singh
 S/o Sh. Basant Singh
 A.G. of Paramjit Singh
 S/o Sh. Jagjit Singh,
 302-Modde Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur
 W/o Sq. Ld. Surjit Singh, 198-R,
 Model Town, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6503 of December, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur

Date : 21-7-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd August 1979

Ref. No. AP-1928.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Vijay Kumar
S/o Sh. Behari Lal Self and
G.A. Smt. Nishi Gupta
W/o Sh. Vijay Kumar
R/o Taran Taran, Distt Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Sambhi Industries,
117-Aman Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6520 of December, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 3-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Upinder Singh
S/o Sh. Jaswant Singh
Old Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Baljit Kaur
W/o Sh. Nirmal Singh
Vill. Manik Dheyi Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

Jullundur, the 9th August 1979

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Ref. No. AP-1929.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Office of the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur
Jullundur, the 9th August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6314 of Dec. 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August 1979

Ref. No. AP-1930.—Whereas, J. B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Niranjan Singh
S/o Sh. Udhamp Singh
Basti Guzan, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Lal Singh
S/o Sh. Budh Singh
2. Smt. Kartar Kaur
W/o Sh. Lal Singh
3. Shri Gurdeep Singh 4. Nirmal Singh
5. Gurbachan Singh 6. Rajinder Pal Singh
S/o Sh. Lal Singh,
Basti Sheikh, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6261 of Dec. 1978 of the Registerin Authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Dasonda Singh
S/o Sh. Natha Singh
R/o Kalian Wali Teh. Jullundur.
(Transferor)

(2) S/Shri Jabar Singh, Resham Singh, Bachan Singh,
and Bakshish Singh
S/o Sh. Puran Singh
Vill. Rajab Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th August 1979

Ref. No. AP-1931.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6056 of Dec., 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-8-1979
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presents, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th August 1979

Ref. No. AP-1932.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Jullundur in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shanta Soni
W/o Sh. Gian Chand Soni
R/o 363-Lajpat Nagar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Harjit Kaur
W/o Bhupinder Singh,
407-Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registration Sale Deed No. 6262 of Dec., 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th August 1979

Ref. No. AP-1933.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in December, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Ashoka Rice & General Mills, Bhogpur through Sh. Mohinder Pal S/o Sh. Bansri Lal R/o C-81 South Extension 11 New Delhi-49 and Smt. Asha Babuta D/o Mohinder Pal Babuta R/o C-81 South Extension-II, New Delhi-49. (Transferor)

(2) M/s. Rulda Rice & General Mills, Bhogpur Teh. Jullundur. (Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registration Sale Deed No. 6535 of Dec., 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 8-8-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely—

25—226GI/79

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 9th August 1979

Ref. No. AP-1934.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Jullundur in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Santosh Kumari
W/o Sh. Mandan Lal,
R/o W.J-113, Basti Gujan, Jullundur.
(Transferor)

(1) 1. S/Shri Sudesh Kumar 2. Bishamber Lal
Ss/o Sh. Shanti Lal,
R/o 32, New Vijay Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the regd. Sale deed No. 6270 of Dec. 1978 of the registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-8-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Syed Mustafa & others

(Transferor)

(2) Firm Standard Electroplaters

(Transferee)

(3) Hafiz Mohd. Ishaq,

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May 1979

Ref. No. S-173/Acquisition.—Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the
 immovable property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

No. 104/E-11 situated at Mohalla Faiz Ganj, (Mufti Tola)
 Moradabad
 (and more fully described in the Schedule annexed
 hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Moradabad on 23-12-1978
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reasons to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot of land admeasuring 297.86 sq. mtrs. situated at
 Mohalla Faiz Ganj (Mufti Tola) and all that description of
 the property which is mentioned in form 37-G No. 5313 and
 sale-deed duly entered in the office of the Sub-Registrar
 Moradabad on 23-12-78.

AMER SINGH BISEN,
 Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Piyare

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th May 1979

Ref. No. 3-Z/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Mohalla Sambhal Darwaza, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 21-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situate at Mohalla Sambhal Darwaza, Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 5744 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 21-12-1978.

AMER SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-5-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Ram Nath Agarwal

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd August 1979

Ref. No. G-38/Acq/79-80.—Whereas, I,
A. S. BISEN
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 24-B, Rampur Bagh situated at Bareilly
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Bareilly on 15-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Sh. Ganga Sahai Modi &
 2. Sh. Shashi Kant Modi.

(Transferees)

(3) Sh. Ram Nath Agarwal
 (Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the
 Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 24-B, Rampur Bagh, Bareilly and all that description
 of the property which is mentioned in the sale deed and
 Form 37G No. 5935 which have duly been registered in the
 office of the Sub-Registrar, Bareilly on 15-12-1978.

A. S. BISEN,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 2-8-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
57-RAMTIRTH MARG**

Lucknow, the 2nd August 1979

Ref. No. R-134/Acq/79-80.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Naya Bazar, Haldwani, Dist. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 18-12-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Haji Nabi Ahmad	(Transferors)
(2) 1. Sh. Ravindra Kumar 2. Sh. Virendra Kumar & 3. Sh. Subodh Kumar	(Transferee)
(3) Self	(Person in occupation of property)
(4) Self	(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A double storeyed shop situate at Naya Bazar, Haldwani, Dist. Nainital and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2636 year 1978 which have been duly registered in the office of the Sub Registrar, Haldwani on 18-12-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Karunesh Kumari

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kamni Khanna 2. Sh. Anil Kumar Khanna
3. Sh. Neeraj Khanna

(Transferee)

(3) Smt. Karunesh Kumari
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th August 1979

Ref. No. K-88/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One house Pukhta double storeyed situated at facing North Situated at Civil Lines, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Moradabad on 5-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed pukhta house main gate facing North admeasuring 109.67 Sq. Meters situate at Civil Lines Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 667/79 which have duly been registered in the office of the Sub Registrar, Moradabad on 5-1-1979.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Padma Wati Sharma R/o 24-KO Housing Society N.D.S.E. Part I New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lachmi Narain Dhingra R/o P-23, Malviya Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 20th August 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/8-79/378.—Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. P-23, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property No. P-23, built on plot of land measuring 243 sq. yds. situated in Malviya Nagar, New Delhi bounded as under :—

North—Main Road and Grassy plot
South—Service Lane
East—House No. 22
West—House No. 24

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III,
Delhi/New Delhi,

Date : 20-8-1979

Seal :